



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 117]

नई दिल्ली, मंगलवार, अप्रैल 1, 1986/चैत्र 11, 1908

No. 117]

NEW DELHI, TUESDAY, APRIL 1, 1986/CHAITRA 11, 1908

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

जाणिज्य संचालन

आयात व्यापार नियंत्रण

आदेश संख्या 35/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 1/86

नई दिल्ली, 1 अप्रैल, 1986

का. आ. 151(अ):—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका में जो ओडहर, तिनी भी देश से भारत में कच्चे माल और सबडक्यों और उपभोग्यों को वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

(1) आयात को जारी वाली वर्ष आयात एवं निर्यात नीति, 1985—98 (खण्ड 1) के परिशिष्ट 2, 3, 5 और 8 के अन्तर्गत न आती हों।

(2) इस लाइसेंस के अधीन शर्तों को आयात करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(3) कच्चे माल, संबद्ध और उपभोग्य संबद्ध वास्तविक उपयोगताओं (औद्योगिक) के खुद के उपयोग के लिए अपेक्षित हों, रॉर सार्वजनिक उपयोग शर्तों के अधीन हों।

(4) वास्तविक उपयोगता इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्चों के उपयोग एवं उपयोग का निर्धारित प्रपत्र एवं विधित्नुसार उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा निर्दिष्ट समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।

(5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक) वास्तविक उपयोगता के रूप में संबद्ध प्राधिकरण के पास अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण, अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण की सं. और तारीख विनिर्माण के उत्पाद (उत्पादों) के विवरण देते हुए और इस बात की पुष्टि करते हुए सीमाशुल्क प्राधिकारियों को एक घोषणापत्र भेजेगा कि (1) ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है या वापस नहीं लिया गया है या उसे अन्यथा रूप से प्रभावहीन नहीं किया गया है; और (2) इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल उनके औद्योगिक लाइसेंस/संबंधित प्रायोजक प्राधिकारी के पास औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकरण के नियम और शर्तों और उनके अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम के बिल्कुल अनुसार है। यदि प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा अलग से लाइसेंस पंजीकरण संख्या न दी गई हो तो आयातक को सीमाशुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए इस संबंध में अन्य प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंसधारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है। माल की निकासी के समय, वास्तविक उपयोगता (औद्योगिक), प्रायोजक प्राधिकारी या अन्य संबंधित प्राधिकारी द्वारा उनके लिए अनुमोदित

चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम, यदि कोई हो तो उसकी एक प्रम-
णित प्रति भी भेजेगा।

- (6) महानिदेशक, तकनीकी विकास के एककों और वस्त्र मशीनरी निर्माता एककों द्वारा संघटकों का आयात 1985-88 के लिए सगन आयात नीति में निर्धारित सूची माध्यांकन किया-विधि के अधीन होगा। महानिदेशक, तकनीकी विकास वस्त्र आयुक्त के साथ पंजीकृत और चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अधीन वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी के समय संघटकों की एक सूची भेजेंगे जो महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त द्वारा अयात के लिए विधिवत स्वीकृत और माध्यांकन होगी या महानिदेशक तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त के साध्यांकन के लिए, जो सूची भेजी गई थी उन पर इस संबंध में एक घोषणा होगी कि 'प्रस्तुत की गई सूची वही है जो महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात और निर्यात नीति सैल) उद्योग भवन, नई दिल्ली अथवा वस्त्र आयुक्त जो भी हो, को भेजी गई थी और वह महानिदेशालय तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त को प्रस्तुत करने की तिथि से 30 दिनों के भीतर वास्तविक उपयोक्ता द्वारा वापस प्राप्त नहीं हुई है। जहाँ आयात की निकासी ऐसी की गई घोषणा के आधार पर की जाती है वहाँ संघटकों की निकासी एवं उनकी मात्रा/मूल्य की संस्था वास्तविक उपयोक्ता द्वारा महानिदेशक, तकनीकी विकास/वस्त्र आयुक्त को सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी के 30 दिनों के भीतर दी जाएगी।
- (7) उपर्युक्त दर्शाई गई सूची साध्यांकन कियाविधि उन एककों के लिए भी लागू होगी जिनके चरणबद्ध विनिर्माण प्रोग्राम सम्पन्न हो चुके हों।
- (8) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी के अस्थाई पंजीकरण है, वह भी इस लाइसेंस के अधीन कुच्चे माल और संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए पात्र होगा।
- (9) जिन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के पास प्रायोजक प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया ऐसा पंजीकरण प्रमाण-पत्र है जिसे विशेष रूप से "प्रस्तावित" चिह्नित किया गया है तो वे भी कुच्चे माल, संघटकों और उपभोग्यों का आयात करने के लिए इस लाइसेंस के अधीन पात्र हैं, परन्तु उनके मामले में वास्तविक उपयोक्ता की ओर से राज्य औद्योगिक विकास निगम या राज्य वित्त निगम को आयात की अनुमति केवल तब होगी जब निकासी के समय यह माध्य प्रस्तुत किया जाए कि संबंध वास्तविक उपयोक्ता से न आयातित माल के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के 25 प्रतिशत के बराबर मूल्य के लिए बैंक गारण्टी के माध्यम से संबंध में एक ढाण्ड भेजा है कि वास्तविक उपयोक्ता आयातित माल का उचित उपयोग करने वाले यूनिट के समर्थन में प्रायोजक प्राधिकारी से एक प्रमाण-पत्र संबंध लाइसेंस प्राधिकारी को प्रस्तुत करेगा।
- (10) बृहत क्षेत्र के सभी औद्योगिक एकक इस लाइसेंस के अधीन आयात की गई मर्च के व्योरे और मूल्य की दशति हुए मद के लिए यथा उपयुक्त एक आवश्यक विवरण, महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या अन्य संबंध प्राधिकारी और इलेक्ट्रॉनिक विभाग को भेजेंगे। लघु क्षेत्र के औद्योगिक एककों को उन्नी प्रकार के विवरण संबंध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारियों को भेजने चाहिए। ये विवरण लाइसेंस वर्ष के 30 सितम्बर और 31 मार्च के अनुसार भेजे जाएंगे। ऐसा प्रत्येक विवरण दर्शाई गई अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (11) ये लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन भी होंगे।
- (12) मानव निर्मित रेशों, मोटे मन, तागों, कच्ची ऊन/चिकनी ऊन/पटेना ऊन (जो कि साफ अथवा कधी न की हो)/अंगोरा बकरी के बाल (मोहेयर) अंगोरा बकरी के चिकने बाल (मोहेयर) अंगोरा बकरी के पटेना बाल (मोहेयर) (साफ अथवा कधी न किए हुए), ऊनी रेशम/संश्लिष्ट रेशम/पूर्ण रूप से कटी-फटी अवस्था में पहले की अवस्था में रही ऊन के संबंध में पात्र आयातकों को अपनी मविदाएं, वस्त्र आयुक्त, बम्बई के पास पंजीकृत करवाने पड़ेगी। आयात तभी किए जाएंगे जब संबंधित संविदाओं पर वस्त्र आयुक्त, बम्बई द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में मोहर लगा दी गई हो। इन उद्देश्य के लिए संविदा की दो प्रतियां वस्त्र आयुक्त के पास रखी जाएंगी और वह आयातक को मान की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों के प्रस्तुतीकरण के लिए एक प्रति वापस कर देगा जिसके प्रत्येक पृष्ठ पर विधिवत मोहर लगी होगी। बाद के उद्देश्य के रजोकरण के समय पात्र आयातकों को एक विवरण भी प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें पूर्व पंजीकृत सभी ठेकों के संबंध में आयातों में की गई प्रगति और आयातित माल का उपयोग/निपटान दर्शाया जाना चाहिए।
- (13) जैसा कि ऊपर पैरा (12) में दिया गया है, वस्त्र आयुक्त, बम्बई, के पास संविदा के पूर्व पंजीकरण से संबंधित शर्त के अधीन पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं की विवरण के लिए मानव निर्मित रेशे, मोटा मन और तागे भी इस लाइसेंस के अधीन भारतीय राज्य व्यापार नियम (एम. टी. सी.), नई दिल्ली द्वारा आयात किए जा सकते हैं।
- (14) मोडा ऐज, पी वी सी रेजिन, बुड पल्प, कास्टिक सोडा और तांबा कतरन/तांबा मिन स्केल के लिए पात्र आयातकों को अपनी संविदाएं महानिदेशक, तकनीकी विकास (आयात-निर्यात नीति सैल), उद्योग भवन, नई दिल्ली के पास पंजीकृत करवानी चाहिए। महानिदेशक, तकनीकी विकास के पास पंजीकरण की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर पैरा 12 में दी गई है।
- (15) रेस्पिसिन के मामले में सभी पात्र आयातकों को अपने ठेके विकास आयुक्त (भेषज) शास्त्री भवन, नई दिल्ली-110001 के कार्यालय में संयुक्त सचिव और विकास आयुक्त (भेषज) के पास पंजीकृत कराने होंगे। ठेकों को विकास आयुक्त (भेषज) के कार्यालय में पंजीकृत कराने की क्रियाविधि वही होगी जो ऊपर पैरा (12) में दी गई है।
- (16) विटामिन बी-6 (पायरिडोक्सिन एच सी एल/पायरिडोक्सिन बेस) और पायरिडोक्सिन के मध्यस्थों के मामले में सभी पात्र आयातकों को अपनी कुल आवश्यकताओं के 33 प्रतिशत को सीमा तक के लिए मै. इंडियन ड्रग्स एण्ड फार्मेस्यूटिकल्स लि० (आई वी पी एल) को पहले आदेश देना होगा। संबंध आयातक की शेष आवश्यकता, अर्थात् 67 प्रतिशत के लिए आयातक द्वारा मै. आई. डी. पी. एल. को दिए गए पक्के आदेश के दस्तावेजी साक्ष्य या इनके नाम में खोले गए साख-पत्र के आधार पर कस्टम विभाग निकासी की अनुमति देगा।
- (17) (1) ऊनी चिथड़ों/रही ऊन/संश्लिष्ट चिथड़ों के आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि इनका आयात पूर्णरूप से कटी-फटी अवस्था में पहले की अवस्था में किया जा रहा हो।

- (2) इस प्रयोजन के लिए ऊनी चिथड़ों की परिभाषा इस प्रकार दी गई है:—
- (क) “नए” ऊनी कपड़े के अवशेष चाहे वह बुने हुए या कढ़ाई किए हुए कपड़े के हों और जो वस्त्रों की कटाई करने के बाद बच जाते हों इनमें दर्जों द्वारा काट दिए गए वास्तविक टुकड़े, त्याग दिए गए नमूने और सैम्पल के टुकड़े भी शामिल हैं।
- (ख) “पुराने” ऊनी कपड़े के वे चिथड़े (कटाई किए हुए और कांटे से बुने हुए कपड़ों सहित) जो रद्द या न के विनिर्माण के लिए आवश्यक हो और उनमें सजावटी मदें या फटे हुए कपड़े, मैले कपड़े या ऐसे कपड़े शामिल हों जिनकी सफाई या मरम्मत न की जा सकती हो।
- (3) यह परिभाषा संश्लिष्ट चिथड़ों के लिए आवश्यक परिवर्तनों के साथ लागू होगी।
18. कच्चे काजू की गिरी के मामले में, भारतीय काजू निगम, इस संबंध में नीति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता (संसाधन एककों) को वितरण करने के लिए इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयात करने के लिए भी पात्र होगा।
19. कच्चे काजू की गिरी के मामले में आयात संविदा उसके निष्पादन के 7 दिनों की अवधि के भीतर भारतीय काजू निगम के पास आयातक द्वारा पंजीकृत कराई जाएगी।
20. इस लाइसेंस में आयात के लिए अनुमित कच्चा लोहा जिसमें फास्फोरस की मात्रा 0.1% से अधिक न हो कार्बन इस्पात की मदों और मिश्रित इस्पात की मदों के मामले में, पात्र आयातकों की ऐसी संविदा करने की तारीख से 30 दिनों के भीतर या माल के पोतलदान की तिथि को, इनमें जो भी पहले हो, उसी को लोहा एवं इस्पात नियंत्रक, कलकत्ता या उसके किसी क्षेत्रीय कार्यालय के पास अपनी आयात संविदाओं का पंजीकरण कराना पड़ेगा। लोहा एवं इस्पात, नियंत्रक के पास पंजीकरण करवाने की प्रक्रिया वही होगी जो ऊपर पैरा (12) में की गई है।
21. इस लाइसेंस के अधीन आने वाली लोहा तथा इस्पात मदों के मामले में शोधक कम्पनियां भी निर्धारित शर्तों के अधीन आयात करने के लिए पात्र होगी।
22. महाभारी नाशक और घास-पात नाशी सहित कीटनाशक के मामलों में संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) प्रत्येक माल के परेषण की निकासी के सात दिनों के भीतर आयातित मद, उनकी मात्रा और उसके लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के ब्यौरे कृषि विभाग (वनस्पति संरक्षण विभाग), नई दिल्ली को सूचित करेगा।
23. पोलिसिलिकोन, धातुकर्मीय श्रेणी की सिलिकोन से भिन्न एकल काइस्टल सिलिकोन इन्वाट्स चार्स/राइस, डिफ्यूज्ड वेफर से भिन्न सिलिकोन वेफर्स, डाइसिज, चिप्स के मामलों में आयात संविदा साख्खपत्र खोलने से पहले इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली पंजीकृत कराई जाएगी। इलेक्ट्रॉनिकी विभाग द्वारा ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित संविदा पर अपनी मोहर लगा देने के बाद ही आयात किया जाएगा।
24. अविनिर्मित हाथी दांत के मामले में आयात की अनुमति जंगली फाउना और फ्लोरा की संकटापन्न जातियों पर अन्तर्राष्ट्रीय (सी ई एन) के विनियमों के अधीन दी जाएगी/आयात की अनुमति केवल क्षेत्रीय निदेशक, जंगली जीव संरक्षण, पर्यावरण विभाग द्वारा निरीक्षण करने पर दी जाएगी।
25. ग्रीस और स्नेहक तेल के मामले में 10,000/रु तक आयात किया जा सकता है बशर्ते कि भारतीय तेल निगम, मार्किटिंग डिविजन, बम्बई ने अनापति प्रमाण-पत्र जारी कर दिया हो।
26. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट 6 की सूची 8 के भाग-1 में उल्लिखित कुछ मदों के मामले में विशेष उद्योगों के नामों का उल्लेख किया गया है। इन मदों के लिए संबंधित उद्योगों में लगे हुए केवल वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) ही आयात के लिए पात्र होंगे।
27. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-6, सूची-8, भाग-2 में आने वाली मदों का वास्तविक उपयोक्ता औद्योगिक द्वारा आयात “वास्तविक उपयोक्ता” शर्त के अधीन किया जा सकता है और निर्यात सदनों/व्यापार सदनों द्वारा आयात ग्राहक पी/अतिरिक्त लाइसेंसों के मद्दे पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) के बिना के लिए नीति के अनुसार वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन किया जा सकता है।
28. आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-6, सूची 8 के भाग 3 के अधीन आने वाली मदें, खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) और अन्यो द्वारा भण्डार एवं बिक्री के लिए आयात की जा सकती हैं।
29. कतरन के रूप में आयातित पीतल/तांबा पाइप्स और ट्यूब्स के मामले में लम्बाई में उनका आकार 15 से.मी. से सब तक अधिक नहीं होना चाहिए जब तक कि उनका आयात हाइड्रोलिक सभी प्रेस्ड ट्रिब्यूट्स में कतरन के रूप में नहीं किया जाता।
30. इस लाइसेंस के अधीन आयात द्वारा संबद्ध औद्योगिक एकक का उत्पादन स्वीकृत प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा और संबद्ध एकक अपने अनुमोदित चरणबद्ध विनिर्माण कार्यक्रम के अनुपालन का सुनिश्चय करेंगे।
31. इस प्रकार आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी-पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित नहीं किया गया हो।
32. इस प्रकार के माल के पोतलदान किसी भी रियायती अवधि चाहे जो कुछ भी हो के बिना लाइसेंस वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व खोले गए स्थापित किए गए अपरिवर्तनीय साख्खपत्रों के मद्दे लाइसेंस वर्ष के 31 मार्च को या इससे पहले या वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) के मामले में लाइसेंस वर्ष के 30 जून, 1985 को या उससे पूर्व भारत के लिए परेषित कर दिए गए हों।
33. यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य निषेध या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
34. प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक)/आयातक को किसी ऐसे आभार/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्त, रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।
- टिप्पणी:—इस आदेश के प्रयोजनार्थ “लाइसेंसिंग वर्ष” और “अगला लाइसेंसिंग वर्ष” का जहां भी संदर्भ आता है उसका बही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

MINISTRY OF COMMERCE

IMPORT TRADE CONTROL

ORDER NO. 35/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 1/86

New Delhi, the 1st April, 1986

S.O. 151 (E):—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Import and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South-West Africa, raw materials, components and consumables by Actual Users (Industrial), subject to the following conditions:—

- (1) The items to be imported are not covered by Appendices 2, 3, 5 and 8 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).
- (2) Instruments shall not be allowed to be imported under this Licence.
- (3) The raw materials, components and consumables are required by the Actual User (Industrial) concerned for his own use, i.e. subject to the "Actual User" condition.
- (4) The Actual User shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this Licence in the form and manner laid down, and produce such account to the licensing authority, or any other Government authority within such time as may be specified by it.
- (5) Actual User (Industrial), at the time of clearance of the goods, shall furnish to the customs authorities a declaration giving particulars of their industrial licence/registration as Actual User with the concerned authority, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative, and (ii) the items imported under this Licence are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority concerned as an Industrial unit and their approved phased manufacturing programme. In case, no phased manufacturing programme has ever been approved for them, they should say so in the declaration. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and eligible to the import made. Actual users (Industrial) shall also furnish at the time of clearance of goods a certified copy of phased manufacturing programme, if any, approved for them by the sponsoring authority or other concerned authority.
- (6) Import of components by DGTD units and textile machinery manufacturing units shall be subject to the List Attestation Procedure laid down in the relevant Import Policy for 1985-88. Actual Users (Industrial), registered with DGTD/Textile Commissioner and subject to phased manufacturing programme, shall furnish at the time of clearance through Customs a list of components, duly cleared for import and attested by DGTD/Textile Commissioner or their own declaration on the list of Components that was furnished to the DGTD/Textile Commissioner for attestation, to the effect that the list produced is the same which was furnished to DGTD (Import & Export Policy Cell) Udyog Bhavan, New Delhi or Textile Commissioner, Bombay, as the case may be and has not been received back by the Actual User concerned from DGTD/Textile Commissioner within 30 days from the date the list was received in the DGTD/Textile Commissioner. Where import is cleared on such declaration, the components cleared and their

quantity/value shall be intimated by the Actual user to DGTD/Textile Commissioner within 30 days of clearance through Customs.

- (7) List Attestation Procedure mentioned above shall also apply to those units whose phased manufacturing programme is over.
- (8) Actual User (Industrial) having provisional registration with the sponsoring authority will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence.
- (9) Actual Users (Industrial) having registration certificate issued by the sponsoring authority specifically marked "proposed" will also be eligible to import raw materials, components and consumables under this Licence, but in their case, the import will be allowed only to the State Industrial Development Corporation or State Financial Corporation on behalf of the Actual User, or on production of evidence, at the time of clearance, that the Actual User concerned has furnished a bond with a bank guarantee for a value equal to 25 per cent of the CIF value of the goods imported, to the effect that the Actual User shall furnish to the licensing authority concerned a certificate of the sponsoring authority in support of the unit having properly utilised the imported material.
- (10) All Industrial units in large scale sector shall submit to the DGTD, New Delhi or other sponsoring authorities concerned, and the Department of Electronics, New Delhi, as appropriate to the item, periodical returns, indicating the description and the value of the items imported under this Licence. Industrial Units in the Small Scale Sector should send similar returns to the regional licensing authorities concerned. These returns shall be furnished as on 30th September and 31st March of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated.
- (11) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (12) In respect of man-made fibre, tow, yarns, raw wool/greasy wool/scoured wool (not carded or combed)/angora goat hair (mohair)/greasy angora goat hair (Mohair)/scoured angora goat hair (mohair) (not carded or combed), woollen rags/synthetic rags shoddy wool in completely preutilised condition, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Textile Commissioner, Bombay. Imports shall be made only after the connected contract has been stamped by the Textile Commissioner, Bombay, as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract shall be lodged with the Textile Commissioner. He will return one copy to the importer, duly stamped, on each page, for production to the customs at the time of clearance of goods. At the time of registration of subsequent contract, the eligible importer shall also furnish a statement indicating the progress made in import and utilisation/disposal of the imported material in respect of all contracts earlier registered.
- (13) Import of man-made fibres, tow and yarns under this licence can be made by the State Trading Corporation of India (STC), New Delhi for distribution to eligible Actual Users subject to the condition regarding prior registration of contracts with the Textile Commissioner, Bombay as in (12) above.
- (14) In the case of Soda Ash, PVC Resin, Wood Pulp, Caustic Soda and Copper scrap/copper mill scale, all eligible importers shall be required to register their contracts with the DGTD (Import and Export Policy Cell), Udyog Bhavan, New Delhi. The procedure for registration of contracts with the DGTD shall be the same as in (12) above.

- (15) In the case of Rifampicin, all eligible importers shall be required to register their contracts with the Joint-Secretary and Development Commissioner (Drugs), Office of the Development Commissioner (Drugs), Shastri Bhawan, New Delhi-110 001. The procedure for registration of contracts with the office of the Development Commissioner (Drugs) shall be the same as in (12) above.
- (16) In the case of Vitamin B₆ (Pyridoxin HCL/Pyridoxin base) and intermediates of Pyridoxin, all eligible importers shall be required to first place an order to the extent of 33 per cent of their total requirements with M/s. Indian Drugs Pharmaceuticals Limited (I.D.P.L.). Customs shall allow clearance of the balance requirement, namely 67 per cent of the concerned importer on the basis of documentary evidence of the firm order placed on M/s. IDPL or letter of credit opened in their favour.
- (17) (i) Import of woollen rags/shoddy wool-synthetic rags will be allowed only when these are imported in completely pre-mutilated condition.
- (ii) Woollen rags for this purpose are defined as under :
- (a) 'New'—waste woollen cloth woven or knitted which is left after a garment had been cut out including genuine tailor cutting piece ends, discarded pattern bunched and sample bits.
- (b) 'Old'—Rags of woollen textile fabrics including knitted and crocheted fabrics which are required for manufacture of shoddy yarn and may consist of articles of furnishing or clothing or other clothing so worn out, soiled or torn as to be beyond cleaning or repair.
- (iii) This definition shall apply mutatis mutandis to synthetic rags.
- (18) In the case of raw Cashewnuts, Cashew Corporation of India will also be eligible to import under this licence for distribution to Actual Users (Processing Units), in accordance with the Policy in force in this regard.
- (19) In the case of raw cashewnuts, the import contract shall be registered by the importer with the Cashew Corporation of India within a period of 7 days of its execution.
- (20) In the case of Pig iron containing Phosphorous not more than 0.1 per cent, Carbon Steel items and alloy steel items, permitted for import in this Licence, all eligible importers shall be required to register their import contracts with the Iron and Steel Controller, Calcutta, or with any of his regional offices, within thirty days from the date of entering into such contracts or the date of shipment of goods, whichever is earlier. The procedure for registration or contracts with the Iron and Steel Controller, shall be the same as in (12) above.
- (21) In the case of iron and steel items covered by this Licence, Oil Refineries will also be eligible to import, subject to prescribed conditions.
- (22) In the case of insecticides including pesticides and weedicides, the Actual Users (Industrial) concerned shall, within seven days of the clearance of each consignment, intimate to the Department of Agriculture (Plant Protection Division), New Delhi, particulars of the items imported, the quantity and the c.i.f. value thereof.
- (23) In case of polysilicon, single crystal silicon ingots/Bars/Rods other than metallurgical grade silicon, silicon wafers other than diffused wafers, Dices, and chips, import contract shall be registered with the Department of Electronics, Lok Nayak Bhawan, New Delhi before opening letter of credit. Import shall be made after the connected contracts have been stamped by the Department of Electronics as an evidence of such registration.
- (24) In case of unmanufactured ivory, import shall be subject to the regulations of convention on International Trade in Endangered species of Wild Fauna and Flora (CITES). Import shall be permitted only on inspection by the Regional Deputy Director, Wild Life Preservation, Department of Environment.
- (25) In case of greases and lubricating oils import can be made upto Rs. 10,000 provided Indian Oil Corporation, Marketing Division, Bombay has issued no objection certificate.
- (26) In respect of certain items mentioned in Appendix 6, List 8, Part I, of Import & Export Policy 1985-88, Vol. I, the names of specific industries, have been mentioned for these items, only the Actual Users (Industrial) engaged in the respective industries will be eligible to import under O.G.L.
- (27) Items covered under Appendix 6, List 8, Part II of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) can be imported by Actual Users (Industrial) subject to 'Actual User' condition and Export Houses/Trading Houses against REP/Additional licences as per policy for sale to eligible Actual Users (Industrial) subject to 'Actual User' condition.
- (28) Items covered under Appendix 6, List 8 Part III of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) can be imported under Open General Licence by Actual Users (Industrial) and others for stock and sale.
- (29) In the case of brass/copper pipes and tubes imported as scrap, their size shall not exceed 15 cms in length, unless they are imported as scrap in hydraulically pressed briquettes;
- (30) By import under this Licence, the production of the industrial unit concerned shall not exceed the licensed/authorised capacity, and the unit concerned shall ensure adherence to its approved phased manufacturing programme;
- (31) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (32) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or, in the case of Actual User (Industrial), on or before 30th June of the following financial licensing year against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before last date of February of the licensing year, without any grace period what-so-ever;
- (33) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported;
- (34) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, referred to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 36/85-88

मुला सामान्य लाइसेंस सं. 2/86

क.अ. 152 (अ).— आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रवृत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा 1985-88 (खंड-I) की आयात और निर्यात नीति के परिशिष्ट-1, भाग-ख में विशिष्टीकृत विवरण के पूंजीगत माल का दक्षिणी अफ्रीका मत्व/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) प्रयोजन मनुनिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या राज्य के संबद्ध उद्योग निदेशक या अन्य संबद्ध प्रायोजक या सरकारी प्राधिकारी जो भी हो, के साथ पूंजीकृत एक ऐसा वास्तविक उपयोगकर्ता (प्रयोगिक या गैर औद्योगिक) हो जिसे ऐसी मदों की अपने निजी कारखाने वाणिज्यिक प्रतिष्ठान, संस्थान, व्यावसायिक कार्यालय या अन्य संबद्ध या परिसरों में "वास्तविक उपयोगता" शर्त के अधीन आवश्यकता हो।

(2) विषयाधीन पूंजीगत माल के आयात द्वारा आवेदक का उत्पादन लाइसेंस प्राधिकृत क्षमता से अधिक नहीं होगा।

(3) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मदें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और इसका शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और निकासी के समय आयातक/आयात किए जाने वाले देश के किसी स्वतंत्र व्यवसायिक सनदी इंजीनियर/किसी समतुल्य संस्थान से एक प्रमाणपत्र सीमाशुल्क प्राधिकारी को निम्नलिखित बगते निर्दिष्ट करते हुए प्रस्तुत करेगा :—

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम,

(ख) विनिर्माण का वर्ष,

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान दशा और उसका प्रत्याशित शेष जीवन,

(घ) यदि नया माल खरीदा गया है तो तुल्य पूंजीगत माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य,

(ङ) यदि कोई सुधार/मरम्मत की गई है तो उसका स्वरूप और वे सुधार/मरम्मत किस तिथियों को किए गए थे।

(च) संभारकों द्वारा पूछी गई कीमत के संबंध में विचार और ऐसे विचारों के लिए दिए गए आधार।

(4) अयातित माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगकर्ता (गैर औद्योगिक उसके द्वारा धारित उस पूंजीकरण प्रमाण पत्र की मूल रूप से या फोटोस्टेट प्रति (वर्तमान समय में बैद्य) के रूप में सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को भेजेगा जो उसकी अयात करने के लिए पात्रता प्रदान करते हुए शापस एवं इस्टेबलिशमेंट ऐक्ट, सिनेमटोग्राफिक ऐक्ट या संबंध स्थानीय कानून के अन्तर्गत जारी किया गया हो।

(5) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोगकर्ता (औद्योगिक) प्रायोजक प्राधिकारियों के साथ औद्योगिक एकक के रूप में अपने अपने औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण का व्यौरा देते हुए अयात औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण की संख्या और दिनांक विनिर्माण की अंतिम उत्पाद (द) और यह पुष्टि करते हुए कि (1) ऐसे लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किए गए हैं या वापस लिए गए हैं या अन्यथा रूप से प्रचलन में हैं और (2) आयातित माल औद्योगिक एकक के रूप में उनके औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण

प्राधिकारी के पास पूंजीकरण की शर्तों के बिलकुल अनुसार है एक बीमा पत्र संबद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों का प्रस्तुत करने। उन मामलों में जहां संबद्ध प्रयोजक प्राधिकरण द्वारा अजन से लाइसेंस पूंजीकरण संख्या नहीं दी गई है आयातक का नाम शुल्क प्राधिकारी की सतुष्टि के लिए इस संबद्ध में अन्य कोई प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे कि वह लाइसेंस धारी है/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए भी पात्र है।

(6) भारत किए गए पूंजीकृत माल का विवरण देते हुए लाइसेंसिंग वर्ष के 30 सितम्बर, और 31 मार्च को उनके लागत बीमा-भाड़ा मूल्य का विवरण देते हुए आयातक मुख्य नियंत्रक, आयात निर्यात, नई दिल्ली के कार्यालय में सांख्यिकी निदेशक को आयात-निर्यात प्रक्रिया पुस्तक, 1985-86 में निम्नलिखित प्रपत्र में आवधिक विवरण भेजेगा। ऐसे प्रत्येक विवरण निम्नलिखित अवधि के समप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।

(7) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका मत्व/दक्षिण पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।

(8) यह माल लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा उससे पहले बिना कोई अतिरिक्त बढ़ाये चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के तारे भेजे गए हों या लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तिथि का या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनिमय के व्यापारी (बैंक) के साथ पूंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे आने वाले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व लदान कर दिये गए हों।

(9) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 के अधीन होगा।

(10) यदि किसी माल के अयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने के लिए कोई अन्य विवेक या विनिमय लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

(11) रजिस्ट्रार नॉन इवेंस वास्तविक उपयोगकर्ताओं (औद्योगिक)/आयातक को किसी ऐसे आयात/अनुपालन से किसी समय भी उन्मक्ति रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों का प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी— इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका बही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 36/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 2/86

S.O. 152 (E):—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods of the description specified in Appendix 1 Part-B of Import and Export Policy, 1985-88 (Volume I), subject to the following conditions:—

(i) The importer is an Actual User (Industrial or Non-Industrial) registered with the DGTD, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring or Government Authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his factory, commercial establishment, institution, professional office or other premises concerned subject to "Actual User" condition;

- (ii) By import of the Capital Goods, in question, the production of the applicant shall not exceed the licensed/authorised capacity;
- (iii) The goods so imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating:
 - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
 - (b) Year of manufacture;
 - (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
 - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new;
 - (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which those were carried out; and
 - (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.
- (iv) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the imported goods, furnish the customs authorities the original or a photostat copy of the (currently valid) Registration Certificate held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or concerned local statute, entitling them to effect the import;
- (v) Actual User (Industrial) shall produce to the Customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial Licence/registration, as an industrial unit with the concerned authorities, namely, the Number and Date of the Industrial Licence/Registration and the end-product(s) of manufacture, and affirming that (i) such licence/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative and (ii) the items imported are strictly in accordance with the terms and conditions of their Industrial Licence/Registration with the sponsoring authority as an industrial unit. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as industrial unit and is eligible to the import made;
- (vi) The importer shall furnish periodical returns in the proforma prescribed in the Hand Book of Import-Export Procedures, 1985—88 to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports & Exports, New Delhi, giving the description of the Capital Goods imported and their c.i.f. value as on 30th September and 31st March of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period indicated;
- (vii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa;
- (viii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or shipped on or before the 31st March of the following licensing year against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year without any grace period whatsoever;
- (ix) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

(x) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;

(xi) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial or Non-Industrial) may be subject, under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

प्रदेश सं. 37/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 3/86

का. आ. 153(अ) —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिण अफ्रीका / दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से 1985—88 की आयात-निर्यात नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-2, 3 भाग-क, 8 या 10 में प्रदर्शित मदों से भिन्न अर्थात् फालतू पुर्जों के रूप में अपेक्षित सभी अनुमेष पुर्जे जो वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा अपने निजी उपयोग के लिए उपसाधित, अनुषंगी उपस्कर, नियंत्रण और प्रयोगशाला उपस्कर और सुरक्षा उपकरणों सहित, लाइसेंस वर्ष के अप्रैल माह की पहली तिथि को स्थापित या उपयोग किए जा रहे पूंजीगत माल के अनुरक्षण के लिए अपेक्षित हों, उनके आयात के लिए निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है:—

- (1) वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को यथा उपयुक्त अपने औद्योगिक लाइसेंसों/पंजीकरण प्रमाणपत्रों, अर्थात् औद्योगिक लाइसेंस/औद्योगिक एकक के रूप में संबद्ध प्राधिकारी के पास पंजीकरण की सं. तथा दिनांक और विनिर्मित अंतिम उत्पाद का विवरण देते हुए एक ऐसा घोषणा पत्र देगे जिससे इस बात की पुष्टि होगी कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण रद्द नहीं किया गया है अथवा वापिस नहीं लिया गया है अथवा उसका अन्यथा रूप से उपयोग नहीं किया गया है। जिन मामलों में संबंधित प्रायोजक प्राधिकारियों द्वारा कुछ पृथक पंजीकरण नियम नहीं किया गया है, आयातक सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए अन्य कोई प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेगा कि वह लाइसेंस धारी/औद्योगिक एकक के रूप में पंजीकृत है और किए गए आयात के लिए पात्र है।
- (2) माल की निकासी के समय वास्तविक उपयोक्ता (गैर-औद्योगिक) दुकान और स्थापना अधिनियम, सिनेमेटोग्राफिक अधिनियम अथवा उपयुक्त स्थानीय अधिनियम के अन्तर्गत उनके द्वारा प्राप्त पंजीकरण प्रमाण-पत्र की मूल अथवा फोटोस्टेट (वर्तमान समय में वैध) प्रति जो उनको आयात के लिए अधिकृत करती हो, सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करेंगे।
- (3) संगणक प्रणाली के मामले में, अनुमेष फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति आयातित संगणक के लागत बीमा-भाड़ा मूल्य के 5 प्रतिशत पर या देशी विनिर्मित संगणक प्रणाली खरीद मूल्य के 2 प्रतिशत अथवा संगणक जो कि फोटो बनाने वाली मशीनों का एक घटक घटक है, के 5 प्रतिशत पर दी जाएगी। आयातित माल की निकासी के समय जैसा भी मामला हो, आयातक को सीमाशुल्क प्राधिकारी

को सनदी लेखापाल/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव (व्यवसायी) या संबंधित प्रायोजित प्राधिकारी को लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य या संगणक प्रणाली के खरीद मूल्य को प्रदर्शित करते हुए एक प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करना चाहिए। उन्हें इस संबंध में एक घोषणा-पत्र भी देना चाहिए कि जिस परेषण की निकासी की जानी है उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य सहित उसी अवधि में इस प्रकार से पहले ही आयात किए गए माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य अनुमेय सीमा से ज्यादा नहीं हों। सनदी/लागत लेखापाल या कम्पनी सचिव को आवेदक फर्म या उसकी सहायक शाखाओं का भागीदार या संचालक या कर्मचारी नहीं होना चाहिए।

- (4) वे सखु क्षेत्र के एकक जिनके पास संबद्ध प्रायोजित प्राधिकारियों के अंतिम पंजीकरण हैं, वास्तविक उपयोक्ताओं को ऊपर विनिर्दिष्ट शर्तों के अधीन इस लाइसेंस के अन्तर्गत माल आयात करने के पात्र होंगे।
- (5) वास्तविक उपयोक्ता इस लाइसेंस के अन्तर्गत आयातित माल के उपयोग का निर्धारित रूप और विधि से उचित लेखा रखेगा और ऐसे लेखों को लाइसेंस प्राधिकारी या अन्य सरकारी प्राधिकारी को उनके द्वारा विशिष्टकृत समय के भीतर प्रस्तुत करेगा।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा।
- (7) वास्तविक उपयोक्ता लाइसेंसिंग वर्ष के 30 सितम्बर और 31 मार्च को नीचे बीमे लिखे गए प्राधिकारियों को एक आवधिक विवरण प्रस्तुत करेगा जिसमें (क) आयातित मर्दों के मूल लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य और (ख) ऐसी आयातित मर्दों के व्योरे जिनका कुल लागत बीमा-भाड़ा-मूल्य 2 लाख रुपए से अधिक हो, को दर्शाया जाएगा :—
 - (1) बृहत क्षेत्र के औद्योगिक एककों के मामले में संबद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, और
 - (2) अन्य वास्तविक उपयोक्ताओं के मामले में संबद्ध क्षेत्रीय लाइसेंस प्राधिकारी प्रत्येक ऐसा विवरण उपर्युक्त संकेतित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (8) इस तरह आयात किया जाने वाला माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण-पश्चिमी अफ्रीका में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (9) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को अथवा उससे पहले बिना कोई अवधि बढ़ाए, जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे जाते हैं या लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी माह की अंतिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे आने वाले लाइसेंसिंग वर्ष को या इससे पूर्व लदान कर दिए जाते हैं।
- (10) यदि किसी माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य विशेष या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोक्तता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (11) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक, गैर-औद्योगिक)/आयातक को किसी ऐसे आभार/अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्त रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्रावधानों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—

इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985—88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 37/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 3/86

S.O. 153 (E):—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, "permissible" spares, i.e. all those parts required as spares, other than the items appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10, in the Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), as are required for their own use for maintenance of Capital Goods, including accessories, ancillary equipment, control and laboratory equipment and safety appliances, installed or in use as on 1st April of the licensing year, by Actual Users (Industrial or Non-Industrial), subject to the following conditions:—

- (i) Actual Users (Industrial) will furnish to the customs authorities, at the time of clearance a declaration giving particulars of their industrial licence registration certificates, as appropriate, namely, Number and Date of Industrial Licence Registration with concerned authority, as industrial unit and end-product(s) manufactured, and solemnly affirming that such licence registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases where a separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authorities that he is licensed/registered as an industrial unit and is eligible to the import made.
- (ii) Actual Users (Non-Industrial) shall, at the time of clearance of the goods, furnish to the customs authorities, the original or a photostat copy of the (currently valid) registration certificates held by them under the Shops and Establishment Act, Cinematographic Act or appropriate local statute, entitling them to effect the imports.
- (iii) In the case of computer systems, import of permissible spare parts will be allowed at 5 per cent of the c.i.f. value of imported computers or two per cent per annum of the purchase price of the indigenously manufactured computer systems or five per cent of computer which are integral part of the photo composing machines. At the time of clearance of the imported goods, the importers should furnish to the customs authorities a certificate from Chartered/Cost Accountant or Company Secretary (in practice) or the sponsoring authority concerned showing the c.i.f. value or the purchase price of the computer system, as the case may be. They should also furnish a declaration to the effect that the c.i.f. value of such goods already imported during the same financial year does not exceed the permissible limit, including the c.i.f. value of the consignment to be cleared. The Chartered/Cost Accountant or Company Secretary should not be a partner or a Director or an employee of the applicant firm or its associates.
- (iv) Small Scale Units having provisional registration with the sponsoring authorities concerned will be eligible to import goods under this licence, subject to Actual User condition.
- (v) The Actual User shall maintain proper account of utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

- (vi) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (vii) The Actual Users shall furnish periodical returns, as on 30th September and 31st March of the licensing year to the authorities mentioned below, indicating (a) the total c.i.f. value of the items imported; and (b) description of such of the items imported of which the total c.i.f. value exceeds Rs. 2 lakhs :—
- (i) Sponsoring authorities concerned in the case of industrial units in the large scale sector; and
- (ii) Regional import licensing authorities concerned, in the case of other Actual Users. Each such Return shall be sent within 15 days of the close of the period indicated.
- (viii) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa|South-West Africa.
- (ix) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or shipped on or before 31st March of the following licensing year against a firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.
- (x) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.
- (xi) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial or Non-Industrial) may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.
- Note:** For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import & Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 38/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 4/86

का. आ. 154(अ) :—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का उपयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण-पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से नीचे विशिष्टीकृत माल का आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) विदेश में मरम्मत के पश्चात् मरों का लागत-बीमा-भाड़ा आधार पर मुफ्त में या आयातित मशीनरी के लागत बीमा भाड़ा-मूल्य के अधिकतम 10 प्रतिशत (लागत बीमा-भाड़ा) या 1 लाख रुपये, इनमें जो भी कम हो, के भुगतान पर पुनः आयात, बशर्ते कि सीमाशुल्क प्राधिकारी इस बात से सन्तुष्ट हो कि पुनः आयातित माल वही है जिसको विदेश में मरम्मत के लिए भेजा गया था।
- (2) 2,000 रुपये मूल्य तक के व्यापार संबंधी सूचीपत्रों और परिपत्रों के मुफ्त उपहार।
- (3) मशीनरी और-संयंत्र स्थानों, कार्य और निर्माण, अनुसंधान आंकड़ों में संबंधित वे खाके और ड्राइंग (माइक्रो फिल्म सहित) जो मुफ्त में संभरित किए जाते हैं और जिनका कोई भी वाणिज्यिक मूल्य नहीं है।

- (4) इस प्रेषण में अधिकतम 20,000 रुपये के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य तक के मुफ्त में संभरित किए जाने वाले मूल तकनीकी और व्यापार संबंधी नमूने जिनमें वनस्पति बीज, मधु मक्खियाँ, चाय और नये भेषज शामिल नहीं हैं।
- (5) मुफ्त में संभरित की जाने वाली मूल विज्ञापन संबंधी वह सामग्री जो एक ही परेषण में 2,000 रुपये के लागत बीमा भाड़ा मूल्य से अधिक न हो।
- (6) विदेशी संभरको द्वारा मुफ्त में संभरित माल या ऐसा माल जो पहले आयात किया गया हो परन्तु जो उपयोग के लिए लुटिपूर्ण/या अनुपयुक्त पाया गया हो या आयात के बाद खो गया हो/टूट-फूट गया हो, उसके बदले में किसी बीमा कंपनी द्वारा तय किए गए बीमा (समुद्रीय) या समुद्री व विनिर्माता के दावे के मद्दे आयातित माल, बशर्ते कि :—
 - (क) प्रतिस्थापन वाले माल का पोतलदान पहले आयात किए गए माल के सीमाशुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से 24 महीनों के भीतर किया गया हो या मशीनों अथवा उनके पुर्जों के मामले में यदि ऐसी अवधि 24 महीनों से अधिक हो तो पोतलदान गारंटी अवधि के भीतर किया गया हो;
 - (ख) जिन मामले में विदेशी संभरक द्वारा माल का प्रतिस्थापन इस शर्त पर किया गया हो कि आयातक प्रतिस्थापन के लिए बीमा और/या भाड़े का भुगतान करेगा और धन परेषित करते समय इन संबंध में दस्तावेजों साक्ष्य प्रस्तुत किया गया हो तो ऐसे मामले के अनिश्चित किसी भी प्रकार के धन परेषण की अनुमति नहीं दी जाएगी,
 - (ग) प्रतिस्थापन माल की निकासी के समय निम्नलिखित दस्तावेज सीमाशुल्क प्राधिकारियों की सजुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाएंगे :—

- (1) मुफ्त में प्रतिस्थापन के मामले में विदेशी संभरक के साक्ष्य के रूप में यह प्रदर्शित करते हुए मूल पत्र कि माल मुफ्त संभरित किया जा रहा है,
- (2) लाइसेंस एजेंट से या किसी अन्य प्राधिकृत बीमा सर्वेक्षक से सर्वेक्षण प्रमाण पत्र या मशीन या उनके पुर्जों के मामले में व्यवसायी स्वावलंबी सनदी 'इंजीनियर (या सरकारी विभागों और सार्वजनिक क्षेत्र के स्थानों के मामले में मुख्य कार्य प्रभारी) से इस संबंध में प्रमाण-पत्र कि पहले आयात किया गया माल वास्तव में लुटिपूर्ण/दशा में प्राप्त किया गया था और उसके प्रतिस्थापन की आवश्यकता थी,
- (3) जिस मामले के उपर्युक्त उखंड (क) में निर्धारित 24 महीनों की अवधि के बाद पोतलदान किया गया हो तो उस मामले में मशीनों या उनके पुर्जों के लिए विदेशी संभरक या माल परेषक द्वारा गारंटी की अवधि प्रदर्शित करते हुए साक्ष्य,
- (4) नए/सिरे से धन परेषण वाले प्रतिस्थापन आयात के मामले में बीमा कंपनी द्वारा मांगे गए भुगतान का साक्ष्य। लेकिन, यह सरकारी विभागों के मामले में आवश्यक नहीं होगा, बशर्ते कि प्रेषित धन को प्राप्त करने के लिए विदेशी मुद्रा

वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग)/प्रशासनिक मंत्रालय द्वारा रिहा की गई हो। प्रतिस्थापन आयात की अनुमति सीमा कंपनी द्वारा निर्णीत मांग के मूल्य तक दी जाएगी, परन्तु इस अवधि में 20 प्रतिशत तक की वृद्धि की अनुमति प्रतिस्थापन के रूप में आयात की जाने वाली मशीनरी के मूल्य में वृद्धि के कारण दी जा सकती है।

- (7) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के पत्र लिखित अनुमोदन के साथ और उनके द्वारा निर्धारित किसी शर्त के अधीन रोम विषयक परीक्षणों के लिए मुफ्त में संश्लिष्ट भेषज और औषधियाँ/औषधि नियंत्रक का अनुमोदन माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाएगा।
- (8) विदेशी संभारकों द्वारा भारत में थोक एजेंटों को मुफ्त में संश्लिष्ट भेषजों और औषधियों के मूल व्यापार नमूने जो एक परेक्षण में लागत-सीमा-भाड़ा मूल्य में 10 हजार रुपये से अधिक न हो और भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली के लिखित मिफारिश के साथ जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी।
- (9) भारत के औषधि नियंत्रक, नई दिल्ली की लिखित मिफारिश, जो माल की निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जाएगी, के आधार पर मुफ्त में या भुगतान पर संश्लिष्ट मानव टीके और सेरा।
- (10) पशु पालन आयुक्त, भारत सरकार, नई दिल्ली की मिफारिश पर मुफ्त अथवा भुक्तान पर भेजे गए पशु टीके, जिनमें मुर्गी पालन-टीके भी शामिल हैं, के लिए लिखित अनुमति निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत की जानी है।
- (11) कीटनाशी अधिनियम, 1968 के अंतर्गत गठित पंजीकरण समिति द्वारा जारी किए गए कीटनाशी (महामारी-नाशी और घास-घातनाशक सहित) के तकनीकी और व्यापार नमूने और उपयुक्त अधिनियम की अनुमति में शामिल की गई मदों के संबंध में निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किए जाने हैं।
- (12) उपर्युक्त क्रम में (9) में (11) में दर्शाई गई मदों के संबंध में, जहां पर मदें मुफ्त में भजी गयी हों, अनुमेष माल के आयात की अनुमति उपभोक्ता या खुदरा पकिय में नहीं होगी और प्रेषित माल पर माफ-माफ अक्षरों में 'नमूने वित्ती के लिए नहीं' अंकित होगा।
- (13) इस लाइसेंस के अंतर्गत आयातित व्यापार सूची-पत्र एवं परिपत्र, छांके एवं ड्राइंग और तकनीकी अथवा व्यापार नमूने आयातक के निजी उपयोग के लिए हैं और उनको बेचा नहीं जाएगा अथवा अन्यथा रूप से हस्तान्तरित नहीं किया जाएगा।
- (14) यदि किसी माल के आयात के समय उनके आयात पर प्रभाव डालते हुए कोई अन्य नियंत्रक या विनियम लागू हो तो इस लाइसेंस का उसकी प्रयोज्यता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (15) प्रस्तुत लाइसेंस वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) आयातक को किसी ऐसे आधार अनुपालन से किसी समय भी उन्मुक्ति

रियायत या छूट प्रदान नहीं करता जो उसे अन्य कानूनों या विनियमों की शर्तों के तहत पूर्ण करने हों। आयातकों को उनके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के प्राधान्यों का अनुपालन करना चाहिए।

- (16) यह लाइसेंस खुले सामान्य लाइसेंस सं 1/84 का अतिरिक्त करता है जो कि आयात व्यापार निष्पक्ष आदेश संख्या 5/84, दिनांक 12 मई 1984 के द्वारा जारी किया गया था।

टिप्पणी—इस आदेश के प्रयोज्यता "लाइसेंस वर्क" और "आयात लाइसेंस वर्क" जहां भी मदों में आयात उदाहरण वर्क है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड 1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 38/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 4/86

S.O. 154(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for importation of the goods specified below from any country in the world, except the Union of South Africa South West Africa :—

- (1) Re-import of items after repairs abroad free of charge on CIF basis or on payment (CIF) not exceeding 10% of the CIF value of the imported machinery or Rs. 1 lakh, whichever is lower, subject to the satisfaction of the Customs authority that the item re-imported is the same which was sent abroad for repairs;
- (2) Free gift of trade catalogues and circulars upto a value of Rs. 2,000;
- (3) Blue prints and drawings (including micro films) relating to machinery and plant sites, work and building research data, supplied free of charge and having no commercial value;
- (4) Bonafide technical and trade samples supplied free of charge not exceeding Rs. 20,000 in c.i.f. value in one consignment, excepting vegetable seeds, bees, tea and new drugs;
- (5) Bonafide advertising material supplied free of charge not exceeding Rs. 2,000 in c.i.f. value, in one consignment;
- (6) Goods supplied free of charge by foreign suppliers or imported against an insurance (marine) or marine-cum-erection insurance claims settled by an Insurance Company, in replacement of the goods previously imported but found defective or otherwise unfit/unusable for use or lost/damaged after import, provided that :—
 - (a) the shipment of replacement goods is made within 24 months from the date of clearance of the previously imported goods through the customs or within the guarantee period in the case of machines or parts thereof, where such period is more than 24 months;
 - (b) No remittance shall be allowed, except for payment of insurance and freight charges where the replacement of goods by the foreign suppliers is subject to the payment of insurance and/or freight by the importer and documentary evidence to this effect is produced at the time of making the remittance;

(c) the following documents shall be produced to the satisfaction of the customs authorities, at the time of clearance of the replacement goods :—

(i) original letter from the foreign supplier as evidence of goods being supplied free of cost, in the case of free replacement;

(ii) a survey certificate issued by the Lloyds Agents or any other authorised insurance surveyors or in the case of machine or parts thereof, a certificate from a professional independent chartered engineer, (or Chief Executive in the case of Government Departments and Public Sector Undertakings) to the effect that goods previously imported were actually received in defective condition and required replacement;

(iii) evidence showing the period of guarantees given by the foreign manufacturers or consignors in the case of machines or parts thereof, where shipment takes place after the period of 24 months stipulated in sub-clause (a) above;

(iv) evidence of settlement of claim by the insurance company, in the case of replacement import involving fresh remittances. This will, however, not be necessary in the case of Government departments, provided foreign exchange has been released by the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs)/Administrative Ministry to cover the amount to be remitted. Replacement imports will be allowed upto the value of the claim settled by the insurance company but an increase upto ten per cent of this amount may be allowed owing to the increase in the value of the machinery to be imported in replacement

(7) Drugs and medicines supplied free of charge for clinical trials with the prior written approval of the Drugs Controller of India, New Delhi and subject to any conditions laid down by him. The approval of the Drugs Controller shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.

(8) Bonafide trade samples of drugs and medicines supplied free of charge to the sole agents in India of the foreign suppliers, not exceeding Rs. 10,000 in c.i.f. value in one consignment on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.

(9) Human vaccines and sera supplied free of charge or against payment, on the written recommendation of the Drugs Controller of India, New Delhi to be produced to the satisfaction of customs authorities at the time of clearance;

(10) Animal including poultry vaccines, supplied free of charge or against payment, on the specific recommendation of the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India, New Delhi, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(11) Technical and trade samples of the insecticides (including pesticides and weedicides), supplied free of charge, on the basis of the registration issued by the Registration Committee set up under the Insecticides Act, 1968, and the quantity specified by the Committee in respect of items included in the Schedule to the said Act, to be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance;

(12) In respect of items covered by S.L. Nos. (9) to (11) above, where the items are supplied free of charge, import of the permissible material shall not be

allowed in consumer or retail packing and the consignment shall be clearly marked "sample not for sale."

(13) Trade catalogues and circulars, blue prints and drawings, and technical or trade samples imported under this licence are for the use of the importers themselves and shall not be sold or transferred otherwise;

(14) This licence is without prejudice to the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import that may be in force at the time when such goods are imported;

(15) The licence does not confer any immunity exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

(16) This licence is in supersession of Open General Licence No. 4/85 published vide Import Trade Control Order No. 4/85—88 dated the 12th April, 1985.

NOTE.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

आदेश सं. 39/85-88

खुला सामान्य लइसेंस सं. 5/86

का.आ. 155(अ) : आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अन्तर्गत किसी भी अनुसंधान एवं विकास यूनिट, वैज्ञानिक और अनुसंधान प्रयोगशाला उच्च शिक्षा संस्थान एवं चिकित्सालय जो केन्द्रीय प्रत्यक्ष राज्य सरकार द्वारा प्राधिकृत हैं को उनके द्वारा अश्वेत कच्चे माल, मशीनों, उपकरणों, मशीनरी, उपकरण, यंत्रों उप-पदार्थों और फाब्रिक पुर्जों की मदों का दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने के लिए सामान्य अनुमति प्रदान करती है :

(1) अश्वेत निर्यात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को केन्द्रीय अश्वेत राज्य सरकार जो भी हो, द्वारा जारी सामान्य का विवरण देने हुए और यह घोषणा करते हुए कि अश्वेत मदें, उनके निजी उपयोग के लिए अश्वेत हैं, एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा। अनुसंधान और विकास एककों के मामले में, यह भी घोषणा करेगा कि आयातित माल अनुसंधान और विकास के लिए आवश्यक है

(2) सीमाशुल्क माल की मदें चाहे उनका विवरण किसी भी प्रकार से किया गया हो, इन लइसेंस के अन्तर्गत आयात के लिए अनुमति नहीं होंगी। इन लइसेंस के अन्तर्गत कार्यालय मशीनों का आयात भी अनुमति नहीं होगा।

(3) कम्प्यूटर पर आधारित प्रणाली और फाब्रिक पुर्जों के संबंध में आयात का अनुमति प्रणाली के लिए लइसेंस के अनुसार दी जाएगी।

(4) इस प्रकार आयातित माल का उदाहरण प्रयोग शिरोधार्य दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिम अफ्रीका संघ में न किया जायेगा।

(5) अनुसंधान एवं विकास के प्रयोगार्थ किसी भी मदों के अश्वेत एवं सारकारी मदों को अश्वेत के आयात के मामले में, सीमाशुल्क निर्यात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों की

संयुक्त के लिए भारत सरकार, कृषि विभाग के पशुपालन आयुक्त की पूर्वे अनुमति प्रस्तुत करनी चाहिए।

- (6) आयातक पत्तन में माल की निकासी के 30 दिनों के भीतर नीचे संकेतित प्राधिकारी को प्रत्येक एक लाख रुपय अथवा इससे अधिक मूल्य के लिए उनके द्वारा आयातित माल का विवरण प्रस्तुत करेगा :

- (1) अनुसंधान एवं शिक्षण इकाई और वैज्ञानिक अनुसंधान प्रयोगशालाओं के मामले में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, नई दिल्ली एवं मुख्य निर्यात, आयात-निर्यात को भी इसकी सूचना दी जाए।
- (2) इलेक्ट्रॉनिक मर्च के संबंध में, इलेक्ट्रॉनिक विभाग नई दिल्ली को।
- (3) तकनीकी विकास महसिलेय नई दिल्ली का उन मामलों में जिनमें एकल उनके तहत परीक्षा लीत गया हो।
- (4) चिकित्सात्मक और उच्च शिक्षा संस्थान जे. सी. ए. के मामले में, केन्द्रीय अथवा राज्य सरकार के संबंध प्रशासकीय मंत्रालय का।

- (7) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त 1 के भी अधीन होगा।

- (8) ऐसा माल जिना किसी रियायती अवधि के, चाहे वह अवधि कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले भारत को लदान कर दिया गया हो अथवा लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को या उससे पहले को गई और विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत पक्की सविदा के मदद। मशीनरी/उत्कृष्ट/कालतु पुर्जों के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च का अथवा इससे पहले भारत को परेषण के माध्यम से लदान कर दिया गया हो।

- (9) यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विलियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है, जिस आभार पर या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (प्रौद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी : इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" की जहां भी संदर्भ आता है उसका वही अर्थ है जैसा 1985-88 को आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 39/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 5/86

S.O. 155(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa|South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery equipment, instruments, accessories, tools and spares required by any research and development unit, scientific or research laboratory, institution of higher education and hospitals, recognised by the Central or State Governments, subject to the following conditions :—

- (1) The importer shall produce to the customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of its recognition by Central or State Government, as the case may be, and declaring that the items imported are required for its own use. In the case of R&D units, they shall also declare that the imported item is required for R&D purpose.
- (2) Items of consumer goods, howsoever described, shall not be permitted for import under this Licence. Import of office machines will also not be allowed under this Licence.
- (3) In respect of computers, computer based systems and their spares the import shall be allowed as per the policy applicable to others.
- (4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa|South West Africa.
- (5) In the case of import of live and attenuated micro organism in any form for R&D purposes, prior permission from the Animal Husbandry Commissioner to the Government of India in the Department of Agriculture shall be produced to the satisfaction of the customs authorities at the time of clearance.
- (6) The importers shall furnish to the authorities mentioned below within 30 days of the clearance of goods from Customs, the particulars of the goods so imported by them, for a value each of Rs. 1 lakh or more :—
 - (i) Department of Science & Technology, New Delhi in the case of R&D units and Scientific and Research Laboratories, under intimation to the CCI&E, New Delhi.
 - (ii) Department of Electronics, New Delhi, in respect of electronic items.
 - (iii) DGT, New Delhi, in the case of units registered with them.
 - (iv) Administrative Ministry of the Central or State Government concerned, as the case may be in the case of hospitals and institutions of higher education.
- (7) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.
- (8) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or, in the case of machinery/equipment/spares shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contract entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.

- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at and when such goods are imported.

- (10) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the import may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Vol. I) for 1985-88.

आदेश सं. 40/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 6/86

का.आ. 156 (अ) —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात एवं निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-I) के परिशिष्ट 3 में निहित संबंध मर्दों के सामने उल्लिखित मनोनीत सार्वजनिक क्षेत्र (सरणीबद्ध) अति-करणों द्वारा उक्त परिशिष्ट में विशिष्टीकृत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे।
- (2) आयातित माल का वितरण संबंध सरणीबद्ध अधिकरण द्वारा निर्धारित नीति और क्रियाविधि के अनुसार किया जाएगा।
- (3) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (4) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो अगले साइसेंसिंग वर्ष की 30 सितम्बर को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं। बशर्ते कि साइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पहले पक्के आदेश कर दिए गए हैं।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निषेध या उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस साइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (7) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त-का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है इस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "साइसेंसिंग वर्ष" और "अगला साइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका यही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 40/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 6/86

S.O. 156(E).—In exercise of the powers conferred by Section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa, South West Africa, the goods of the description specified in Appendix 5 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) by designated Public Sector (Canalising) Agencies mentioned against the relevant items in the said Appendix, subject to the following conditions :—

- (1) The imports shall be made against the foreign exchange released by Government for the purpose.
- (2) Imported goods shall be distributed by the Canalising agency concerned in accordance with the Policy and Procedure laid down;
- (3) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa, South West Africa;

(4) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 30th September of the following licensing year, without any grace period, whatsoever, provided firm order is placed on or before 31st March, of the licensing year;

(5) This Licence shall also be subject to condition Number 1, in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

(6) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any other prohibition/or regulation, affecting the imports thereof in force, at the time when such goods are imported;

(7) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 41/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 7/86

का.आ. 157 (अ).—आयात निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा जिंगों, जूडना से, मोल्डस डाइज एवं पैटर्न (रंगीन रोलर डाइज सहित), मोल्डम (डाय क्रामिक के लिए मोल्डम सहित) और प्रेस औजारों [1985-88 की आयात निर्यात नीति (खंड I) के परिशिष्ट-1 भाग क-2 और 3 भाग क में प्रदर्शित से भिन्न] और उनके पुर्जों के भारत में आयात की सामान्य अनुमति दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश में निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

(1) आयातक अपने निजी संस्थान में उपयोग के लिए ऐसी मर्दों की आवश्यकता रखने हुए महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिवनी या सम्बद्ध राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य सम्बद्ध प्रायोजक प्राधिकारी, जो भी हो, के साथ पंजीकृत एक वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) हो,

(2) इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा। यदि वे पुरानी या मरम्मत की गई मर्दें होंगी तो उनके आयात की अनुमति केवल तब दी जायेगी जबकि मशीनरी केवल 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और शेष जीवन 5 वर्ष से कम न हो और आयातक निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उस देश के स्वतंत्र व्यावसायिक सनदी अभियन्ता/इसके समतुल्य संस्थान से एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करेगा जहां से आयात किया जाता है और उसमें निम्नलिखित को दर्शाया जाएगा :—

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माण का नाम,

(ख) विनिर्माण का वर्ष।

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसका संभावित शेष जीवन।

(घ) यदि नया खरीदा गया हो, समतुल्य पंजीकृत माल की लागत बोमा भाड़ा मूल्य,

(ङ) यदि कोई मूखार/मरम्मत की गई है तो उसका विवरण और वे किस तारीख (खों) को दिए गए थे,

(च) संभरकी द्वारा पूछी गई कीमत के संबंध में विचार और ऐसे विचारों के लिए दिए गए आधार।

- (3) औद्योगिक लाइसेंस पंजीकरण अधिनियम औद्योगिक एकक के रूप में वास्तविक उपयोगिता को जारी किए गए औद्योगिक लाइसेंस/पंजीकरण सन्ध्या तथा दिनांक और विनिर्मित अंतिम उत्पाद के व्योम दृष्टि एवं दृष्टि वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) माल की लिकेंसिंग का साथ सम्बद्ध सीमा शुल्क प्राधिकारियों को एक वापस पत्र यह प्रेषित करने हुए प्रस्तुत करेगा कि ऐसा लाइसेंस/पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है और न अन्य प्रकार से अग्रभावी किया गया है, जिन मामलों में सम्बद्ध प्राथमिक प्राधिकारी द्वारा अलग पंजीकरण स आरंभित न की गई हो उनमें आयातक सीमा शुल्क प्राधिकारियों की सहायता के लिए अन्य उचित साक्ष्य प्रस्तुत करेगा।
- (4) लाइसेंसिंग वर्ष को 30 सितम्बर, और 31 मार्च को आयातित पूंजीगत माल और उसके लागत बीमा भाड़ा मूल्य का विवरण देने हुए आयातित माल नियंत्रक, आयात-नियंत्रित, नई दिल्ली के कार्यालय में प्रेषित निदेशक को आवधिक विवरण पत्र भेजेगा ऐसा प्रत्येक विवरण पत्र निश्चित अवधि के समाप्त होने के 15 दिनों के भीतर भेजा जाएगा।
- (5) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में वर्णित है के अधीन होगा।
- (6) इस प्रकार आयात किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
- (7) ऐसे माल का पोल लदान लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व भारत की प्रेषण के अधीन से या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी को अंतिम तिथि को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय माछ पत्रों के लिए पक्के आदेशों के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व कर दिया गया हो और जो कुछ भी हो, इसमें किसी किस्म की रियायती अवधि को स्वीकृति नहीं दी जायेगी।
- (8) इस प्रकार का माल आयात करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (9) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) जब अन्य वस्तु या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो उसे दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या छील नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी.—इस आदेश के प्रयोजनार्थ “लाइसेंसिंग वर्ष” और “अगला लाइसेंसिंग वर्ष” जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 41/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 7/86

S.O. 157(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa|South West Africa, Jigs, fixtures, Dies and Patterns, (including contour roller dies), moulds (including moulds for diecasting), and press tools [other than those appearing in Appendices 1 Part A, 2 and 3 Part—A of the Import and Export Policy, 1985—88 (Vol. I) and parts thereof] subject to the following conditions:—

- (1) The importer is an Actual User (Industrial) registered with the DGT, New Delhi or the concerned State Director of Industries or other sponsoring authority concerned, as the case may be, requiring such items for use in his own undertaking;

- (2) The goods so imported shall be of new manufacture, If they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer|any equivalent institute in the country from which import is made, indicating:—

- (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
- (b) Year of manufacture;
- (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
- (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new;
- (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which these were carried out;
- (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for such opinion.

- (3) The Actual Users (Industrial) concerned shall produce to the satisfaction of the customs authorities concerned at the time of clearance, a declaration giving particulars of his industrial licence Registration Certificate, namely, the Number and Date of the Industrial Licence|Registration issued to the Actual user as an industrial unit and the end-product(s) manufactured and affirming that such licence|registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate registration number has not been allotted by the sponsoring authority concerned, he shall produce appropriate other evidence to the satisfaction of the customs authorities;

- (4) The importers shall furnish periodical returns to the Director of Statistics, Office of the Chief Controller of Imports and Exports, New Delhi, giving the description of the goods imported and their c.i.f. value, as on 30th September, and 31st March, of the licensing year. Each such return shall be furnished within 15 days of the close of the period concerned

- (5) This Licence shall also be subject to the condition No 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;

- (6) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa|South West Africa;

- (7) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, of the licensing year or on or before 31st March, of the following licensing year against firm orders for which irrevocable Letters of Credits are opened on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period, what-so-ever;

- (8) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported;

- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them

NOTE.—For the purpose of this Order reference to “the licensing year”, and “the following licensing year”, wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88

आदेश सं. 42/85-88

खुला लाइसेंस सं. 8/86

का.अ. 158 (अ) —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार पुनः द्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका सभ को छोड़कर किसी भी देश में तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी), आयल इंडिया लि., भारतीय गैस प्राधिकरण लि. सर्वश्री भारत स्वर्ण खान लि., द्वारा कच्चे माल की मदों, संघटकों, उपभोग्य मशीनरी, उपकरण और यंत्र, उप साधकों, औजारों और कानून पुर्जों (किन्तु उपभोग्य माल को छोड़कर, चाहे उसका उल्लेख किसी भी प्रकार क्यों न किया गया हो), भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है —

- (1) तेल एवं प्राकृतिक गैस आयोग (ओ एन जी सी), आयल इंडिया लि. और भारतीय गैस प्राधिकरण लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमति मई के होंगी जिनकी पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय के अधीन तेल उद्योग में देशीय क्षमता के दृष्टिकोण पर अधिकार प्राप्त समिति ने देशी दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। इसके लिए साध्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करना होगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृत अपेक्षित नहीं होगी।
- (2) मईसर्ग भारत स्वर्ण खनिज लि. द्वारा आयात करने के लिए अनुमति की गई वे मदें होंगी जिनकी महानिदेशक तकनीकी विकास, नई दिल्ली ने देशी दृष्टिकोण से अनुमति प्रदान कर दी हो। यदि कहीं 5 लाख रुपये या अधिक के प्रतिष्ठित उपकरणों सहित इलेक्ट्रॉनिक मद और किसी भी मूल्य के समुद्री इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जें शामिल हैं, या एक लाख रुपये से अधिक के मूल्य के दूर संचार उपकरण शामिल हैं तो आयात केवल इलेक्ट्रॉनिक विभाग द्वारा अनुमति देने के पश्चात् ही अनुमति किया जाएगा। इस बारे में साध्य सीमा शुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जायेगा। नीचे (3) और (4) के अधीन देशीय क्षमता के दृष्टिकोण से स्वीकृत अपेक्षित नहीं होगी।
- (3) आयात इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किए जाएंगे, लेकिन नीचे के पैरा (3) और (4) में आने वाले को छोड़कर।
- (4) जहां "सर्विस" संविदाएं उस विदेशी ठेकेदार को दी गयी हैं, जो कार्य के निष्पादन के लिए उपकरण लाता है, बशर्ते कि (क) ऐसे उपकरणों के आयात के लिए भुगतान न किया जाना हो और (ख) तेल तथा प्राकृतिक गैस आयोग मईसर्ग आयल इंडिया लि./भारतीय गैस प्राधिकरण लि. यह वचन दे कि कार्य की समाप्ति पर ऐसे उपकरण पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे। यदि आयातित उपकरण प्रोजेक्टर या केमरा, जो, किसी मद के साथ जुड़ा हुआ हो और जो उसके पुर्जों के रूप में हों तो ऐसी कंप्यूटर ड्रैवल्स का आयात, ओ एन जी सी मुख्य उपकरण के साथ उसका पुनः निर्यात करने के लिए दिए गए वचन के अधीन होगा।
- (5) जहां सर्वश्री मजगांव डाक्स लि. अथवा सार्वजनिक क्षेत्र के इसी प्रकार के किसी अन्य उपक्रम की आफ शोर/ग्रान शोर संविदा दी जाती है और विदेशी इंजीनयरों/विशेषज्ञों की सेवाएं कार्यों को पूरा करने में लगी हुई हैं और ऐसे इंजीनयरों/विशेषज्ञ कार्यों के निष्पादन के लिए औजार, यंत्र और उपकरण लाते हैं, बशर्ते कि (क) विन्यास माल के आयात का भुगतान नहीं करना होगा और (ख) सर्वश्री मजगांव डाक्स

या अन्य सार्वजनिक क्षेत्र का संगठन यह वचन देता है कि न तो आयात और न ही उपकरण उस कार्य को पूरा होने के पश्चात् पुनः निर्यात कर दिए जाएंगे।

- (6) ओ एन जी सी या आयल इंडिया लि. या भारतीय गैस प्राधिकरण लि. से आफ शोर/ग्रान शोर संविदाएं प्राप्त करने वाले किसी क्षेत्र के उत्पादों द्वारा माल आयात किया जाना है और ऐसी संविदा के निष्पादन के लिए माल उनके द्वारा अपेक्षित है।
- (7) आयात "वास्तविक उपयोग" शर्त के अधीन होगा।
- (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त के अधीन होगा।
- (9) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका सभ में निर्यात अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (10) भारत को ऐसे माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं या मशीनरी और कानून पुर्जों के मामले में इनका लदान लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अंतिम तिथि को इससे पूर्व विदेशी मुद्रा विनियम के व्यापारी (बैंक) के सार्व पंजीकृत और को गई पक्की पविदा के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व कर दिया जाता है।
- (11) इन शर्तों का अर्थ करने समय लागू कोई भी निषेध अथवा उचित अर्थ को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के पारित होने से प्रसार के माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (12) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का पालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त रियायत या कील लदान नहीं करवा है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोग (प्रोडोमिग) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अंतर्गत हो अथवा को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों को पालन करना चाहिए।

टिप्पणी —इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 42/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 8/86

S.O. 158(E).—In exercise of the powers conferred by section 3, of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, items of raw materials, components, consumables, machinery, equipment, instruments, accessories, tools and spares (but not consumer goods how-so-ever described), by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Limited, Gas Authority of India Limited and M/s. Bharat Gold Mines Ltd., subject to the following conditions :—

- (1) The items permitted for import by the Oil and Natural Gas Commission (ONGC), Oil India Ltd. and Gas Authority of India Ltd., shall be those cleared by the Empowered Committee on Indigenisation in the Oil Industry under the Ministry of Petroleum and Natural Gas, from indigenous angle. Evidence to this effect shall be produced to the Customs Authorities. Indigenous clearance will not be required under (3) and (4) below.

- (2) The items permitted for import by M/s. Bharat Gold Mines Ltd. shall be those cleared by the DGTD, New Delhi from indigenous angle, where import of any electronics items including facsimile equipment for a value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronics equipment and parts irrespective of value, is involved, or communication equipment for a value more than Rs. One lakh is involved, the import shall be allowed only after clearance is given by the Department of Electronics. Evidence to this effect shall be produced to the Customs authorities. Indigenous clearance will not be required under (4) and (5) below.
- (3) The import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purpose, except under (4) and (5) below.
- (4) Where a service contract has been awarded to a foreign contractor, who brings equipment for execution of work, provided that (a) import of such equipment is not to be paid for and (b) the Oil & Natural Gas Commission/M/s. Oil India Ltd./Gas Authority of India Ltd. undertakes that such equipment shall be re-exported after completion of the work. If the imported equipment is fitted with any item such as projector or camera which forms its part the import of such consumer durables shall be subject to ONGC/Oil India Ltd. GAIL undertaking their re-export alongwith the main equipment.
- (5) Where an off-shore/on-shore contract is awarded to M/s. Mazagaon Docks Ltd. or to any other similar undertaking in the public sector, and services of foreign Engineers/Specialists are engaged for completion of the work, and such engineer-specialist brings tools, instruments and equipment for execution of work, provided (a) the import of the goods, in question, is not to be paid for, and (b) M/s. Mazagaon Docks or the concerned public sector organisation undertakes that the imported tools instruments and equipment shall be re-exported after completion of work.
- (6) The goods are required to be imported by public sector undertaking receiving off-shore/on-shore contracts from ONGC or Oil India Ltd. or Gas Authority of India Ltd., and are required by them for execution of such contract.
- (7) The import shall be subject to "Actual User" condition.
- (8) This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) order, 1955.
- (9) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (10) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, or in the case of machinery and spares, these are shipped on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) on or before the last date of February of the licensing year, without any grace period whatsoever.
- (11) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (12) The license does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from and obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.
- NOTE.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.
- आदेश सं. 43/85-88
- खुला सामान्य लाइसेंस सं. 9/86
- का.आ 159 (अ) —आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा सामान्य रूप से निम्नलिखित शर्तों के अधीन, एयर इंडिया, इंडियन एयरलाइंस और अन्य इन एयर लाइनों को जो आई एटी ए के सदस्य हैं, और इसके अंतर्गत विभिन्नकृत श्रेणियों को फालतू पुर्जों, उपभोग्य सामग्री 1985-88 (खंड-I) की आयात निर्यात नीति के परिशिष्ट-5 भाग-ख के अन्तर्गत आने वाली ग्रीज और स्टेडर को ड्रॉकर एयरक्राफ्ट के टायर और ट्यूब्स, पुस्तिकाओं, तकनीकी ड्राइंग और उनके द्वारा संचालित और रहित एयरक्राफ्ट के पनीट के सम्बद्ध निर्वहन और अन्य तकनीकी साहित्य और संबंधित परीक्षण और प्रशिक्षण उपकरणों को आयात करने की स्वीकृति प्रदान करती है :
- (1) कोई भी उपरोक्त सामान चाहे उसका किसी भी प्रकार से उल्लेख क्यों न किया गया हो, इस खुले सामान्य लाइसेंस की प्रवृत्तियों के अधीन उसे आयात करने की स्वीकृति नहीं दी जाएगी।
 - (2) आयातित मर्चे "वास्तविक उपयोगिता शर्त" के अधीन होंगी।
 - (3) निर्यात के समय आयातक एयरलाइंस और आई एटी ए के अंतर्गत वर्तमान सदस्यता के व्योरो को दक्षिण हुए सीमा शुल्क अधिकारियों को एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा।
 - (4) एयरक्राफ्ट संचालन अथवा हवाई मार्ग से फसलों पर छिड़कने के कार्य में चली हुई कंपनियां अपने एयरक्राफ्टों के रख-रखाव के लिए सीमा शुल्क को साक्ष्य प्रस्तुत करते हुए कि आयातक पंजीकृत है या दुकान और संस्थानों के लिए लागू स्थानीय नियम के अधीन कम से कम तीन वर्षों से प्रमाण पत्र प्राप्त किए हुए हैं, आयात और निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-I) के परिशिष्ट 2, 3 भाग क. 8 या 10 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकता है,
 - (5) एक्जीक्यूटिव एयरक्राफ्ट के स्वामी, चाहे निजी अथवा सार्वजनिक क्षेत्र में हों, अपने एयरक्राफ्ट में रख रखाव के लिए आयात और निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-I) के परिशिष्ट 2, 3 भाग क. 8 या 10 में दर्शाए गए से भिन्न केवल फालतू पुर्जों का आयात कर सकते हैं।
 - (6) आयातित माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका से और/या वडा उत्पादित या विनिर्मित नहीं होने चाहिए।
 - (7) भारत को माल का लदान बिना किसी रियायती अवधि के, चाहे जो कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व परेषण के माध्यम से कर दिए जाते हैं।
 - (8) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त 1 के अधीन होगा।
 - (9) इस प्रकार के माल का आयात करते समय लागू कोई भी निर्येध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

- (10) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हों। आयातकों को उनके लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ “लाइसेंसिंग वर्ष” और “अगला लाइसेंसिंग वर्ष” जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 43/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 9/86

S.O. 159(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to Air India, Indian Airlines and other Airlines who are members of the IATA and other categories specified hereunder, to import spares, consumables excluding greases and lubricants covered by Appendix 5 Part B to the Import and Export Policy, 1985—88, Volume I. aircraft tyres and tubes, manuals, technical drawings, illustrations and other technical literature pertaining to the fleet of aircraft operated and maintained by them and the associate test and training equipment, subject to the following conditions :—

- (1) No consumer goods how-so-ever described shall be imported under the provisions of this Open General Licence ;
- (2) The imported items shall be subject to the “Actual User” condition ;
- (3) The importer shall furnish to the Customs authorities at the time of clearance, a declaration giving particulars of the airline and its current membership of the IATA ;
- (4) Companies operating aircraft or engaged in the aerial transport can import spares only, other than those appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 and 10 of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), for maintenance of their aircrafts, on production of evidence to the customs that the importer has been registered or holds a certificate for at least three years under the local law applicable to shops and establishments ;
- (5) Owners of executive aircraft, whether in private or public sector, can import spares only, other than those appearing in Appendices 2, 3 Part-A, 8 or 10 of Import and Export Policy, 1985—88 (Volume I), for maintenance of their executive aircrafts ;
- (6) The goods imported should not be from and/or have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa ;
- (7) Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year without any grace period, whatsoever ;
- (8) This licence shall be subject to the condition No. 1 in Schedule to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (9) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof in force, at the time when such goods are imported ;
- (10) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial)/importer may be subject to under

other laws or regulations. The Importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

NOTE.—For the purposes of this Order, references to “the licensing year”, and “the following licensing year”, wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 44/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 10/86

का.आ. 160 (अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड 3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसमें संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत व्यौरों की मदों का, प्रत्येक मद के सामने संकेतिक पाल वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ को छोड़कर, किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :

- (1) अनुसूची में प्रत्येक मद के सामने संकेतिक मूल्य सीमा के भीतर और विनिर्दिष्ट उद्देश्य के लिए आयात किया जायेगा।
- (2) संलग्न अनुसूची में क्रम सं. 2, 4, 5 और 6 पर उल्लिखित चिकित्सा औजार आदि, वैज्ञानिक औजार और मोटर वाहन तथा कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, मात्र आयातक इस प्रावधान के अधीन उसी वित्तीय वर्ष में पहले से ही आयातित ऐसे माल के लागत बीमा भाड़ा मूल्य के बारे में, सीमा शुल्क अधिकारी को निकासी के समय घोषणा पत्र देगा।
- (3) मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों के फालतू पुर्जों के मामले में, आयातक को सीमा शुल्क अधिकारी को, मोटर वाहन अधिनियम 1939 के अधीन करों के अद्यतन भुगतान/छूट के साक्ष्य सहित, नम्ब्रड वाहन या ट्रैक्टर का वैध पंजीकरण प्राणपत्र भी प्रस्तुत करना होगा।
- (4) (क) 10 लाख रुपए (आयत बीमा भाड़ा) मूल्य से कम लागत के कम्प्यूटर/बेसिड सिस्टम के मामले में आयात सभी व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं के उपयोग के लिए अनुमित होगी (किन्तु स्टॉक और बिक्री के लिए नहीं)। संबंधित आयातक एक प्रेषण में निम्नलिखित न्यूनतम आकृति का आयात करेंगे।

प्रत्येक केन्द्रीय संसाधन एकक में ये शामिल होगा—

- (1) आपरेटिंग सिस्टम शाफ्टवेयर और एक मेगावाट तक के मेन मेमोरी के साथ और 300 मेगावाट तक के डिस्क मेमोरी क्षमता के एपीगेट।
- (2) कम्प्यूटर कन्सोल।
- (3) ट डिस्क/कार्टिजिज/टैप ड्राइविस और एसोसिएटेड कन्ट्रोलर (प्लनीयी और कस्सेट ड्राइविस को छोड़कर)
- (4) प्रति लाइन 80 प्रिन्ट पोजिसन या इससे अधिक की चौड़ाई के प्लाटोन के सहित एक प्रिन्टर।
- (ख) पुराने कम्प्यूटर/कम्प्यूटर बेन्ड सिस्टम का आयात अनुमित नहीं किया जायेगा।
- (5) ये माल लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को या उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के चाहे जो भी हो, भारत को परेषण के जरिए भेजे गए हों,
- (6) आयात “वास्तविक उपयोक्ता” शर्त के अधीन होगा,

(7) यह लाइसेंस आयात (निर्यात) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

(8) इस प्रकार के माल का वास्तव में आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाला विनियम इस लाइसेंस के अन्तर्गत किसी भी प्रकार के माल के आयात को प्रभावित नहीं करेगा।

(9) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी : इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड 1) में उल्लिखित है।

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 10/86 दिनांक अप्रैल 1986 के लिए

अनुसूची

सं.	मद	पात्र आयातक, मूल्य सीमा और आयात करने का उद्देश्य
-----	----	--

1	2	3
---	---	---

1. औषध और औषध	(1) अस्पताल और चिकित्सा संस्थानों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य 25 हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।
---------------	--

(2) किसी भी व्यक्ति द्वारा उनके निजी उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक हजार रुपये से अधिक नहीं होगा, और

(3) पंजीकृत चिकित्सक द्वारा उनके स्वयं के व्यवसाय में उपयोग के लिए बशर्ते कि एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य पांच हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।

2(क) चिकित्सा जिसमें शल्य चिकित्सा आण्टिकल और दन्त चिकित्सा संबंध औजार, उपकरण और यंत्र और बदलाई के पुर्जे और उनके अनुषंगी एवं दन्त चिकित्सा सामान भी शामिल है।

(1) अस्पताल या चिकित्सा संस्थाओं द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे उपयोग आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान दो लाख रुपये से अधिक नहीं होगा।

1 2 3

(ख) आयात निर्यात नीति, 1985-88 (खंड 1) के परिशिष्ट, 6 की सूची में दर्शाई गई शल्य चिकित्सा के लिए सीबत और सुइयों।

3. एक्स-रे इन्टेंसिफाइंग स्क्रीन

4. वैज्ञानिक और मापन-औजार एवं रसायन।

5. परीक्षण उपकरण, परीक्षण औजार और रसायन

6. मोटर वाहन और कृषि ट्रैक्टरों - वह व्यक्ति जिसके पास आयातित वाहन/कृषि ट्रैक्टर हैं, उसके द्वारा उसके स्वयं के उपयोग के लिए एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपये लागत बीमा भाड़ा मूल्य तक।

7. अव्यवसायी रेडियो संचार उपकरण जिसमें किट्स, उमसावित (अन्टीना रोटरी मोटर, फीड लाइन, स्टैंडिंग वेव रेडियो ब्रिज सहित), यंत्र, फालतू पुर्जे और संघटक शामिल हैं। उपस्कर निम्नलिखित शीक्वेंसी रेंज और पावर सीमाओं के भीतर ममरूप हों,

(2) पंजीकृत चिकित्सकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य एक वित्तीय वर्ष के दौरान पांच हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।

अस्पताल और रेडियोलॉजिकल क्लिनिकों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए बशर्ते कि किसी भी एक समय में ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य पचास हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।

विज्ञान, तकनीकी, इंजीनियरिंग और औषध के क्षेत्र के डाक्टरों द्वारा उनके स्वयं के उपयोग के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत करने पर) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष के दौरान ऐसे आयातित माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य दस हजार रुपये से अधिक नहीं होगा।

राज्य औषध नियंत्रक की सिफारिश प्रस्तुत करने पर उनके स्वयं के उपयोग के लिए एक वर्ष में 50,000 रुपये (लागत बीमा भाड़ा) तक के कुल मूल्य के लिए औषध तथा श्रृंगार प्रसाधन अधिनियम, 1940 के अन्तर्गत अनुमोदित परीक्षण प्रयोगशालाएं।

लाइसेंसधारी रेडियो अव्यवसायियों द्वारा उनके निजी कार्यों के लिए (इस संबंध में सीमा शुल्क प्राधिकारियों को साक्ष्य प्रस्तुत किया जाएगा) बशर्ते कि एक वित्तीय वर्ष में आयात किए गए ऐसे माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य 15,000 रुपये से अधिक न हो। भारत सरकार, संचार मंत्रालय, वायरलेस योजना एवं समन्वय स्कन्ध की पूर्व अनुमति के बिना आयातित माल किसी भी पार्टी या व्यक्ति को हस्तांतरित नहीं किया जायेगा।

मीटर बैंड	फ्रीक्वेंसी रेंज	पावर सीमा का उत्पाद
160 एम	1.8 से 2.0 एम एच जेड	150 वाट्स
80 एम	3.5 से 4.0 एम एच जेड	150 वाट्स
40 एम	7.0 से 7.5 एम एच जेड	150 वाट्स
20 एम	14.0 से 14.50 एम एच जेड	150 वाट्स
15 एम	21.0 से 21.50 एम एच जेड	150 वाट्स
10 एम	28.0 से 30.00 एम एच जेड	150 वाट्स

2. बरी हाई फ्रीक्वेंसी (बी एच एफ)
2 एन 144 से 146 एम एच जेड 25 वाट्स
- बल्ट्रा हाई फ्रीक्वेंसी (यू एच एफ)
70 सी एम एस 430 से 440 एम एच जेड 25 वाट्स
- टिप्पण: व्यास मापन के प्रयोजनार्थ हाई फ्रीक्वेंसी ट्रांसमिटरों में या तो 10 एम एच जेड या 15 एम एच जेड मानक फ्रीक्वेंसी रिसेप्शन सुविधा भी शामिल है।
8. 10 लाख रुपए (लागत बीमा सभी व्यक्तियों द्वारा अपने स्वयं भाड़ा) मूल्य से कम कीमत के कंप्यूटर के उपयोग के लिए।
/कंप्यूटर बेस्ड सिस्टम

ORDER NO. 44/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 10/86

S.O. 160(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, the items of the description specified in the Schedule annexed hereto, by eligible Actual Users mentioned against each item, subject to the following conditions:—

- (1) The import shall be within the value limit indicated against each item in the Schedule and for the purpose specified;
- (2) In the case of medical instruments, etc. scientific instruments and chemicals and spare parts of motor vehicles and agricultural tractors, referred to at Serial Nos. 2, 4, 5 and 6 in the annexed schedule, the eligible importer, shall, at the time of clearance, give a declaration to the customs authority about the cif value of such goods already imported under this provision in the same financial year;

(3) In the case of spare parts of motor vehicles, and agricultural tractors, the importer shall also produce to the customs authority the valid Registration Certificate of the vehicle or the tractor concerned, with an evidence of upto date payment/exemption of taxes under the Motor Vehicles Act, 1939.

(4) (a) In the case of computer/computer based system costing below Rs. 10 lakhs (cif), import will be allowed by all persons for their own use (but not for stock and sale purpose). The concerned importer shall import the following minimum configuration in one consignment :—

Each Central Processing Unit will include —

- (i) Operating system software and with main memory of not less than one megabyte and aggregate of disc memory capacity of not less than 300 megabyte.
- (ii) Computer console.
- (iii) Two disk/cartridge/tape drives and associated controller (excluding floppy and cassette drives).
- (iv) Ope printer with Platon width 80 print positions or more per line.
- (b) Import of second-hand computer/computer based system shall not be allowed.
- (5) The goods are shipped on through consignment basis to India on or before 31st March, of the licensing year, without any grace period, what-soever;
- (6) Import shall be subject to "Actual User" condition.
- (7) The licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955;
- (8) Nothing in this licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when they are actually imported;
- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note.—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

SCHEDULE TO O.G.L. NO. 10/86

Dated : the 1st April, 1986

Sl. No.	Item	Eligible importers, value limit and purpose of import
(1)	(2)	(3)
I.	Drugs and medicines	<ol style="list-style-type: none"> (i) Hospitals and medical institutions for their own use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed twenty-five thousand rupees; (ii) Any individual, for his personal use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed one thousand rupees; and

(1)	(2)	(3)
		(iii) Registered medical practitioners, for their own professional use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed five thousand rupees.
2. (a) Medical including Surgical, optical and dental instruments, apparatus and appliances and replacement parts and accessories thereof and Dental materials.		(i) Hospitals and Medical institutions for their own use, provided the cif value of such goods imported shall not exceed two lakhs rupees, in a financial year.
(b) Sutures and needles for surgical purposes appearing in list 5 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).		(ii) Registered medical practitioners for their own use, provided the cif value of such goods imported shall not exceed five thousand rupees, in a financial year.
3. X-ray intensifying screens		Hospitals and radiological clinics for their own use, provided the cif value of such goods imported at any one time shall not exceed fifty thousand rupees.
4. Scientific and measuring instruments and chemicals		Professionals in the fields of science, technology, engineering and medicines, for their own purpose (to which effect evidence shall be produced to the customs authorities) provided the cif value of such imported goods shall not exceed rupees ten thousand, in a financial year.
5. Testing equipment, testing instruments and chemicals		Testing laboratories approved under the Drugs and Cosmetics Act, 1940, of a total value not exceeding Rs. 50,000/- (cif) in a year for their own use, on production of recommendation of State Drugs Controller.
6. Spare parts of motors vehicles and agricultural tractors.		Persons owning imported vehicles/agricultural tractors for their own use, upto a cif value of rupees five thousand in a financial year.
7. Amateur radio communication equipment including kits, accessories (including antenna rotary motors, feed lines, standing wave radio bridge) instruments, spares and components. The equipment is to conform within the following frequency ranges and/or limitations.		By licensed radio amateurs for their own purpose (evidence shall be produced to the Customs authorities to this effect) provided the cif value of such goods imported in a financial year does not exceed Rs. 15,000/-. Goods imported shall not be transferred to any individual or party without prior permission of the Wireless Planning & Coordination Wing of the Ministry of Communications, Government of India.
I. High Frequency (H.F.)		
Meter Band	Frequency range	Output power limit
160 m	1.8 to 2.0 Mhz	150 Watts.
80 m	3.5 to 4.0 Mhz	150 Watts.
40 m	7.0 to 7.5 Mhz	150 Watts.
20 m	14.0 to 14.50 Mhz	150 Watts.
15 m	21.0 to 21.50 Mhz	150 Watts.
10 m	28.0 to 30.00 Mhz	150 Watts.
II. Very High Frequency (VHF)		
2 m	144 to 146 Mhz	25 Watts.
III. Ultra High Frequency (UHF)		
70 cms	430 to 440 Mhz	25 Watts.
Note :— The H.F. transreceivers also incorporate either 10 Mhz or 15 Mhz standard frequency reception facility for calibration purposes.		
8. Computer/computer based system costing below Rs. 10 lakhs (cif)		By all persons for their own use.

आदेश सं. 45/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 11/86

कां० अ. 161(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर केन्द्रीय सरकार अगला आदेश होने तक जहाज के मरम्मत कार्यों में लगे हुए वास्तविक उपयोक्ताओं को निम्नलिखित शर्तों के अधीन (1) पूंजीगत माल, (2) कच्चे माल, (3) संघटकों, (4) उपभोग्य एवं (5) किसी भी देश से फालतू पुर्जों के आयात को सामान्य अनुमति देती है, परन्तु दक्षिणी अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका इसमें शामिल नहीं है:—

- (1) आयातक महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई के पास जहाजों की मरम्मत करने वाले एकक के रूप में पंजीकृत है।
- (2) माल का आयात सीमाशुल्क बंध परिसर में किया जाएगा।
- (3) आयातित माल का उपयोग समुद्री जहाजों की मरम्मत के लिए सीमा-शुल्क बंध परिसर में किया जाएगा चाहे वे जहाज भारती हों या विदेशी।
- (4) सीमा-शुल्क बंध के लिए लगे प्रक्रिया का अनुमरण ट्रांजिट बांड को शामिल करते हुए किया जाएगा।
- (5) प्रत्येक वित्तीय वर्ष में अंत संबद्ध वास्तविक उपयोक्ता आयातित मालों का लेखा और उनका लागत बीमा भाड़ा मूल्य तथा जहाजों की मरम्मत से कमाई गई विदेशी मुद्रा का लेखा बैंक द्वारा विधिवत प्रमाणित करारकर संबंधित लाइसेंस प्राधिकारी एवं महानिदेशक, जहाजरानी, बम्बई को प्रस्तुत करेगा।
- (6) आयातक, महानिदेशक, जहाजरानी द्वारा उसको जारी किए गए पंजीकरण प्रमाण पत्र में दी गई सभी शर्तों का पालन करेगा।
- (7) इस प्रकार का माल आयात करते समय लागू कोई भी निषेध अथवा उसके आयात को प्रभावित करने वाले विनियम इस लाइसेंस के अंतर्गत किसी भी प्रकार से माल के आयातों को प्रभावित नहीं करेगा।
- (8) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या डील प्रदान नहीं करता है, जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी: इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहाँ भी सदर्थ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 45/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 11/86

S.O. 161(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission, till further orders, to the Actual Users engaged in ship repairing work, for import of (i) capital goods, (ii) raw materials, (iii) components, (iv) consumables and (v) spares, from any country, except the Union of South Africa/South West Africa subject to the following conditions:—

- (1) The importer is registered with the Director General, Shipping, Bombay as a ship repairing unit.
- (2) The goods shall be imported in custom bonded premises.
- (3) The imported goods shall be used in repairs of ocean-going vessels, whether Indian or foreign in the custom bonded premises.

(4) The procedure applicable for customs bonding shall be followed including transit bond.

(5) At the end of each financial year, the Actual User concerned shall give an account of the items and their CIF value, imported and used in the ship repairing work and the amount of foreign exchange earned in ship repairs, duly certified by the bank, to the licensing authority concerned, and the Director General, Shipping Bombay. This return shall be sent through the Customs Officer attached to the unit concerned.

(6) The importer shall comply with all the conditions laid down in the Registration Certificate, issued to him by Director General Shipping.

(7) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

(8) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 46/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 12/86

का. अ. 162(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ के अतिरिक्त किसी भी देश के सरकारी विभागों (केन्द्रीय अथवा राज्य) अथवा सरकारी अथवा सरकार द्वारा नियंत्रित परियोजना से किसी भी माल के भारत में आयात को निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है:—

(1) भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच हुए समझौते के अनुसार, विषयाधीन माल का निःशुल्क आयात किया जाता है,

(2) आयातित माल भारतीय सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के बीच किए गए संगत समझौते के अनुसार और इस संबंध में प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना प्राधिकारी द्वारा जारी किया गया प्रमाणपत्र निकासी के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत किया जाएगा।

(3) ऐसे माल का प्रेषण द्वारा भारत में लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को अथवा उससे पूर्व बिना किसी रियायती अवधि के, चाहे जो कुछ भी हो, लंदन किया जाता है।

(4) ऐसे माल दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित अथवा विनिर्मित नहीं हो।

2. इस लाइसेंस के अंतर्गत दो सरकारों के बीच हुए समझौते के अधीन भारत में परियोजना का निष्पादन करने के लिए भारत आने वाले विदेशी विशेषज्ञों के व्यक्तिगत सामान के आयात की अनुमति भी निकासी के समय प्रशासनिक मंत्रालय अथवा संबंधित परियोजना का इस संबंध में एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करने पर दी जाएगी कि आयातित माल जिसका बीरा प्रमाण पत्र में दिया जाता है भारत सरकार और संबंधित विदेशी सरकार के साथ हुए समझौते के अनुसार किया गया है। आयात इस

शर्त पर भी होगा कि ज्यों ही संबंधित विदेशी विशेषज्ञ अपना कार्य पूर्ण कर भारत से जाने लगे तो (उपरोक्त मान से भिन्न) अन्य मान का पुनर्निर्धारण किया जाएगा।

3 यदि माल के आयात के समय उसे आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई भी निषेध या विनियम लागू होता तो इन लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

4 यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आधार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोगिता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानून (नौ) या विनियमों के अधीन हो। आयातक के उनमें लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी इस आदेश के प्रयोजनार्थ 'लाइसेंसिंग वर्ष' और अगला लाइसेंसिंग वर्ष, जहाँ भी सदर्थ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985—88 की आयात-एव निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 46/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 12/86

S.O 162(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, any goods by Government Departments (Central or State) or projects owned or controlled by Governments, subject to the following conditions :—

- (i) The goods, in question, are imported free of cost in pursuance of an agreement between the Government of India and the foreign Government concerned ;
- (ii) The goods imported are in accordance with the relevant agreement entered into between the Government of India and the foreign Government concerned, and a certificate to this effect issued by the administrative Ministry or the Project Authority concerned shall be produced to the customs authorities at the time of clearance ;
- (iii) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March, of the licensing year, without any grace period whatsoever ; and
- (iv) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

2. Under this Licence, import will also be allowed of personnel effects of foreign expert coming to India under Government to Government agreement for the execution of a project in India on production of a certificate of the Administrative Ministry or the Project Authority concerned, at the time of clearance, to the effect that imported goods (to be mentioned in the certificate) are in accordance with the agreement entered into by the Government of India with the foreign Government concerned. The import shall also be subject to the condition that the goods (other than consumables) are re-exported as soon as the foreign expert concerned leaves India after completion of his assignment.

3 Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

4 The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note—For the purposes of this Order, references to "the licensing year" and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

आदेश सं 47/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं 13/86

का आ 163 (अ) --आयात एव निर्यात (नियंत्रण) "अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन रत्न तथा आभूषण और स्वर्णकार एव शिल्पकारों की सहकारी समितियाँ, परिषद् द्वारा स्थापित संस्थानों के प्रयोग के लिए रत्न और आभूषणों के लिए निर्यात सवर्धन परिषद और रत्न और आभूषणों के लिए निर्यात सवर्धन परिषद् और रत्न और आभूषण उद्योग में सवर्धन क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थान के पंजीकृत निर्यातकों द्वारा आयात नीति 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-5 की सूची-1 में दर्शाए गए रत्न और आभूषण के उद्योग के लिए अपेक्षित मशीनरी, उपकरण, परीक्षण उपकरण, औजारों एवं यंत्रों का आयात करने के लिए दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका सघ की छोटकरी किसी भी देश से आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- 1 आयात "वास्तविक उपयोगिता" शर्तों के अधीन होगा,
- 2 इस प्रकार आयात किया गया माल नए निर्माण का होगा, यदि वह माल पुराना या मरम्मत की गई मर्दों के रूप में होगा तो उसके आयात की अनुमति केवल तब दी जाएगी जब मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी न हो और उसकी शेष आयु 5 वर्ष से कम न हो और जिस देश से आयात किया गया हो उस देश के सनदी इंजीनियर से माल की निकासी के समय इस संबंध में एक प्रमाण पत्र सीमा-शुल्क प्राधिकारी की संतुष्टि के लिए प्रस्तुत किया जाता हो।
- 3 रत्न एव आभूषण के पंजीकृत निर्यातक माल की निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों का अपने पंजीकरण का यह विवरण देते हुए कि वे रत्न एव आभूषण निर्यात सवर्धन परिषद् के पाम निर्यातक के रूप में पंजीकृत हैं और यह शपथ लेते हुए यह घोषणापत्र प्रस्तुत करेंगे कि उक्त पंजीकरण न तो रद्द किया गया है, न वापस लिया गया है न अन्यथा रूप से अप्रभावी किया गया है। स्वर्णकारों और शिल्पकारों की सहकारी समिति इसी प्रकार से सहकारी समिति के रूप में अपने पंजीकरण के विषय में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेंगी।
- 4 रत्न और आभूषण उद्योग से सवर्धन क्षेत्रीय प्रशिक्षण संस्थानों को सीमा-शुल्क प्राधिकारियों की संतुष्टि के लिए संबंधित प्राधिकारियों की मान्यता दर्शाते हुए एक प्रमाणपत्र प्रस्तुत करना चाहिए।
- 5 इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका सघ में उत्पादित अथवा निर्मित न हों।
- 6 ऐसा माल चालू लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च, को अथवा उसके पहले किसी भी रियायत के बिना भारत की परेषण के माध्यम से लादे दिया गया हो,
- 7 यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के अधीन होगा।

8. यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
9. यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आधार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्ति, रखावत या होल प्रदान नहीं करता है जिस आधार पर या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (ओद्योगिक) या आयात अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी: इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985—88 की आयात एवं निर्यात नीति (खंड-1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 47/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 13/86

S.O. 163(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of machinery equipment, testing apparatus, tools and implements, required for Gem and Jewellery industry, appearing in List 1 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), by Registered Exporters of gem and jewellery and Cooperative Societies of Goldsmiths and Artisans, Export Promotion Councils for Gem and Jewellery for use in the Institutes set up by the Council and Regional Training Institutions connected with Gem and Jewellery industry, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :

- (1) The import shall be subject to "Actual User" conditions ;
- (2) The goods so imported shall be of new manufacture : if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years and evidence to this effect in the form of a certificate of a Chartered Engineer in the country from which the import is made, is produced to the satisfaction of the Customs authority at the time of clearance.
- (3) Registered Exporter of Gems and Jewellery will furnish to the Customs authorities at the time of clearance of goods, a declaration giving particulars of his registration as an exporter with the Gem and Jewellery Export Promotion Council and affirming that such registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. A Cooperative Society of Goldsmiths and Artisans will, likewise, furnish a declaration about its registration as a Cooperative Society ;
- (4) Regional Training Institutes connected with the gem and jewellery industry shall furnish a certificate indicating recognition by the concerned authority to the satisfaction of the customs authority ;
- (5) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa ;
- (6) Such goods are shipped on through consignments to India on or before 31st March, of the current licensing year, without any grace period whatsoever ;
- (7) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955 ;
- (8) Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation, affecting the import thereof in force at the time when such goods are imported ; and

- (9) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual User (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note.—For the purposes of this Order, reference to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 48/85—88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 14/86

क्र. 164(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खंड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका को छोड़कर विश्व के किसी भी देश से निम्नलिखित शर्तों के अधीन :—

- (क) सरकारी विभाग, जो औद्योगिक विभागीय संस्थानों से भिन्न हो,
- (ख) सरकारी औद्योगिक संस्थान/विभागों द्वारा পরিচালিত (ग) रेलवे,
- (घ) सार्वजनिक क्षेत्र में राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना संस्थान और (ङ) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक संस्थानों को पूंजीगत माल, कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों का आयात करने की सामान्य अनुमति प्रदान करती है :—

- (1) सरकारी विभागों/सरकारी औद्योगिक संस्थानों (विभागों द्वारा परिचालित किंतु इसमें रक्षा संस्थान शामिल नहीं हैं) और रेलवे के मामले में पूंजीगत माल, संघटकों, उपभोग्यों और फालतू पुर्जों को खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन आयात करने की अनुमति होगी, बशर्ते—

- (1) आयात-निर्यात नीति, 1985—88 (खंड-1) के परिशिष्ट-2, 3, 8 और 10 के अधीन आने वाली मदों के आयात के लिए महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से देशी निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (2) जहां 5 लाख रु. या इनसे अधिक के लागत-बीमा-भाड़ा मूल्य के इलेक्ट्रॉनिक मदें जिसमें प्रतिकृति उपकरण भी शामिल हों और मूल्य को ध्यान में रखे बिना समुद्रीय इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और पुर्जों या 1 लाख रु. से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो, वहां इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली से निकासी प्राप्त कर ली गई हो।
- (3) आयातित पूंजीगत माल की मदें वे हैं जो आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खंड-1) के परिशिष्ट-1 भाग-ख के अंतर्गत आती हैं और आयात-निर्यात नीति, 1985—88 के (खंड-1) के परिशिष्ट-1, भाग-क-2 और 3 भाग-क में शामिल किए गए से भिन्न जिप्स, जुड़नार, डाइज और पैन्टर्स मोल्डर्स (डाईकास्टिंग के लिए मोल्डर्स सहित) मोल्डर्स और प्रैस औजार और उनके पुर्जे।
- (4) प्रशासकीय मंत्रालय/वित्त मंत्रालय (आर्थिक कार्य विभाग) द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मदें आयात किया जाता है, और
- (5) निकासी के समय सीमा शुल्क प्राधिकारी को उपयुक्त (1) (2) और (4) के आवश्यक साक्ष्य प्रस्तुत किए जाते हैं।

- (2) राज्य विद्युतीय बोर्ड/परियोजना/सार्वजनिक क्षेत्र के सस्थानों और महानिदेशक दूरदर्शन तथा आकाशवाणी, नई दिल्ली और डाक तथा तार विभाग के मामले में फालतू पुर्जों का आयात खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन अनुमेष होगा, बशर्ते कि —
- (1) इस उद्देश्य के लिए आयात, सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया गया हो।
- (2) प्रतिबंधित फालतू पुर्जों अर्थात् जो 1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खड-1) के परिशिष्ट 2 भाग-ख, 3 भाग-क, 8 या 10 में आते हैं, उनके लिए देशी निकासी महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो।
- (3) जहां 5 लाख रु. के लागत-बीमा-भाडा मूल्य या इससे अधिक मूल्य की इलेक्ट्रानिक मदों के मूल्य को ध्यान में लिए बिना समुद्री इलेक्ट्रानिक उपकरण और उनके पुर्जों या 1 लाख रु. से अधिक के संचार उपकरणों का आयात शामिल हो, वहां निकासी इलेक्ट्रानिकी विभाग, नई दिल्ली से प्राप्त कर ली गई हो, और
- (4) निकासी के समय सीमा-शुल्क प्राधिकारियों को उपर्युक्त (1), (2) और (3) के आवश्यक माध्य प्रस्तुत किए गए हों।
- (3) रक्षा मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र के औद्योगिक सस्थानों के लिए निम्नलिखित प्रावधान लागू होंगे —
- 1 कच्चे माल, सघटकों, उपभोग्य और फालतू पुर्जों के आयात की अनुमति खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन दी जाएगी देखिए आयात-निर्यात नीति, 1985—88 (खड-1) के परिशिष्ट-6 की मद स 1, 2, और 4 किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।
- (2) अनुसंधान एवं विकास एकक कच्चा माल और अन्य माल आयात करने के लिए पात्र होंगे, देखिए आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खड-1) के परिशिष्ट-6 की मद स 5, किन्तु यह उनमें निर्धारित शर्तों के अधीन है।
- (3) पजीगत माल का आयात तभी अनुमेष होगा यदि वह आयात-निर्यात नीति, 1985—88 (खड-1) के परिशिष्ट-1, भाग-ख में दर्शाई गई हो और जिम्म और जुडनार के आयात की अनुमति उस नीति के परिशिष्ट-6 की मद स 6 के अनुसार दी जाएगी।
- (4) कंप्यूटर में फालतू पुर्जों का आयात 1985-88 की आयात निर्यात नीति, (खड-1) के परिशिष्ट 6 की मद स 8 के अनुसार अनुमेष होगा।
- (5) वे मदे जिनका आयात 1985-88 की आयात-निर्यात नीति (खड-1) के परिशिष्ट-6 के अनुसार खुले सामान्य लाइसेंस के अधीन "वास्तविक उपयोक्ताओं" और/या, सभी व्यक्तियों द्वारा वहां किया जा सकता है जहां ऐसे माल का आयात करने वाले औद्योगिक एककों द्वारा कच्चे माल, सघटकों या उपभोग्य सामग्री के रूप में अपेक्षित हों।
- (6) लाइसेंसिंग वर्ष के दौरान इस प्रकार के आयातों के लिए रक्षा मंत्रालय द्वारा संबद्ध एकक को आवंटित विदेशी मुद्रा से अधिक का कुल आयात वही होगा और सीमा-शुल्क में निकासी के समय आयातक एकक इस संबंध में एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि लाइसेंसिंग वर्ष में संबंधित आयातक एकक को रक्षा मंत्रालय इस उद्देश्य

के लिए कुल दी गई विदेशी मुद्रा की धनराशि से निकासी के अधीन है/जिसकी निकासी पहले ही कर ली गई है, उसका मूल्य उससे ज्यादा नहीं है।

- (4) इस प्रकार आयातित माल दक्षिण अफ्रीका सघ/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका में विनिर्मित या उत्पादित नहीं हुआ है।
- (5) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को या इससे पहले जहाज पर लाद दिया जाता है या कच्चे माल, सघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी मास की अंतिम तारीख को या इससे पहले खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र के लिए दिए गए पद के आदेशों के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष के 30 जून को या इससे पहले माल का बंदान कर दिया जाता है या पजीगत माल, फालतू पुर्जों के मामले में, माल की गई पक्की संविदाओं और विदेशी मुद्रा में लेन-देन करने वाले व्यापारी (बैंक) के माध्यम से किए गए पजीकरण के मद्दे अगले लाइसेंसिंग वर्ष के 31 मार्च को या इससे पहले या बिना किसी अवधि वृद्धि के चाहे और जो कुछ भी हो, लाइसेंसिंग वर्ष के फरवरी मास की अंतिम तारीख को या इससे पहले जहाज पर लाद दिए जाते हैं।
- (6) किसी माल के लिए उस आयात को प्रभावी करने वाला कोई अन्य निषेध या विनियम लागू नहीं होगा तो ऐसे माल के आयात के समय उसका हम लाइसेंस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (7) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, उसके दायित्व से या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य कानूनों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पण इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" का जहां भी संदर्भ आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खड-1) में उल्लिखित है।

ORI DR NO 48/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO 14/85

S.O. 164(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government gives general permission to (a) Government Departments, as distinct from industrial departmental undertakings, (b) Government Industrial Undertaking (Departmentally-run), (c) Railways (d) State Electricity Boards/Undertakings/Projects, in the Public sector, and (e) Public Sector Industrial Undertakings under the Ministry of Defence, to import Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :

(1) In the case of Government Departments/Government Industrial Undertakings (Departmentally-run excluding however Defence Undertakings), and Railways, import of Capital Goods raw material components, consumables and spares will be allowed under OGI provided that —

- (i) For import of items covered by Appendices 2, 3, 8 and 10 of the Import and Export Policy 1985-88 Volume I indigenous clearance has been obtained from DGT, New Delhi

- (ii) Where import of any electronic items including fassimile equipment for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more and marine electronic equipment and parts, irrespective of value or communication equipment for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi.
- (iii) Items of Capital Goods imported are those covered by Appx. Part-B of Import and Export Policy, 1985-88 (Volume I) and jigs, fixtures dies and patterns (including contour roller dies), moulds (including moulds for diecasting) and press tool, other than those in Appendices I Part-A, 2, and 3 Part A of Import and Export Policy 1985-88 (Volume I) and parts thereof.
- (iv) Import is made against foreign exchange released by the Administrative Ministry/Ministry of Finance (Department of Economic Affairs), and
- (v) Necessary evidence of (i), (ii) and (iv) above is produced to the customs authority at the time of clearance.
- (2) In the case of State Electricity Boards/Projects/Under-takings in the public sector, and the Directors General "Door-darshan" and All India Radio, New Delhi and Posts and Telegraphs Department, import of spares only will be allowed under OGL, provided :—
- (i) Import is made against foreign exchange released by the Government for the purpose.
- (ii) In respect of restricted spares i.e. those covered by Appendices 2 Part-B, 3 Part-A, 8 or 10 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) indigenous clearance has been obtained from DGTD, New Delhi.
- (iii) Where import of any electronic items for a c.i.f. value of Rs. 5 lakhs or more, marine electronics equipment and parts irrespective of value or communication equipment for a value exceeding rupees one lakh is involved, clearance has been obtained from the Department of Electronics, New Delhi : and
- (iv) Necessary evidence of (i), (ii) and (iii) above is produced to the custom authority at the time of clearance.
- (3) In the case of public sector Industrial Undertaking under the Ministry of Defence, the following provisions shall apply :—
- (i) Import of raw-materials, components, consumables and spares will be allowed under OGL vide item Nos. 1, 2 and 4 of Appendix 6 of the Import and Export Policy, 1985-88, (Vol. I) subject to the conditions laid down therein ;
- (ii) R & D units will be eligible to import raw-materials and other items vide item No. 5 in Appx. 6 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), subject to the conditions laid down therein ;
- (iii) Import of Capital Goods will be allowed only if they appear in Appendix 1 Part B of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) and import of jigs and fixtures etc. will be allowed vide item No. 6 of the said policy.
- (iv) Import of computer spares will be allowed vide item No. 9 in App. 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).
- (v) Import of items which can be imported by "Actual Users" and/or "All persons" under OGL, vide App. 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), where such goods are required as raw materials, components or consumables by the importing industrial units.
- (vi) The total value of imports shall not exceed the foreign exchange allocated to the industrial unit concerned by the Ministry of Defence for the purpose of such imports during the licensing year and at the time of clearance through customs, the importer unit shall submit a declaration to the effect

that the value of goods under clearance/already cleared does not exceed the total amount of foreign exchange released for the purpose by the Ministry of Defence to the importing unit concerned for the licensing year.

(4) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South-West Africa.

(5) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or in the case of raw-materials, components and consumables, the goods are shipped on or before 30th June of the following licensing year against firm orders for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February of the licensing year, or, in the case of Capital Goods, spares, these are shipped on or before 31st March of the following licensing year, against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (Bank) or before the last date of February of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

(6) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(7) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Note.—For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appear in this Order shall have the same meaning in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

आदेश सं. 49/85-88

बुला सामान्य लाईसेंस सं. 15/86

का. भा. 165(अ).—आयात एवं निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) की धारा-3 के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा इस आदेश से संलग्न अनुसूची में विशिष्टीकृत विवरण के माल का दक्षिण अफ्रीका संघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका को छोड़कर किसी भी देश से भारत में आयात करने को सामान्य अनुमति निम्नलिखित शर्तों के अधीन देती है :—

- (1) क्रम सं. 1 में शामिल "अध्यापन सहाय" के मामले को छोड़कर इस आदेश से संलग्न अनुसूची में शामिल अन्य सभी मर्चें किसी भी व्यक्ति द्वारा स्टॉक करने और बिक्री करने के उद्देश्य के लिए आयात की जा सकती हैं।
- (2) "अध्यापन सहाय" के मामले में आयात की अनुमति केवल मान्यताप्राप्त शैक्षिक, वैज्ञानिक, तकनीकी और अनुसंधान संस्थानों, इन संस्थानों के पुस्तकालयों, केन्द्रीय या राज्य सरकार के विभागों, अनुसंधान और विकास कार्यों में लगी हुई औद्योगिक यूनिटों, पंजीकृत चिकित्सकों, अस्पतालों, परामर्श दाताओं, मान्यताप्राप्त वाणिज्य मंडलों, उत्पादकता परिषदों, प्रबंध संघों और व्यावसायिक निकायों को उनके निजी उपयोग के लिए दी जाएगी।
- (3) वालों के मामलों में, सभी पात्र निर्यातकों को भारतीय राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के साथ स्वयं को पंजीकृत कराना होगा। आयात तभी किए जाएंगे जब कि ऐसे पंजीकरण के साक्ष्य के रूप में संबंधित संविदा पर नेफेड द्वारा मुहर लगा दी गई हो। इस उद्देश्य के लिए अनुबंध की दो प्रतियां नेफेड को दी जानी चाहिए। वे उसकी एक प्रति के प्रत्येक पृष्ठ पर विशिष्ट मुहर लगा कर आयातक को लौटा देंगे, जो माल की निकासी के समय सीमा शुल्क कार्यालय को प्रस्तुत की जाएगी।

(4) शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों के आयात के मामले में निम्नलिखित शर्तें लागू होंगी :—

- (क) शिक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली में पहले ही लिखित रूप में निकासी की अनुमति दिए बिना एक लाइसेंसिंग अवधि के दौरान एक ही शीर्षक की 1,000 प्रतियों से अधिक के आयात की अनुमति एक ही आयातक (उसकी शाखाओं सहित) को नहीं दी जाएगी। लेकिन, यह प्रतिबंध अंग्रेजी भाषा पुस्तक सोसायटी शीर्षकों और संयुक्त भारत-रूप पाठ्य पुस्तक कार्यक्रम के अन्तर्गत की पुस्तकों के लिए लागू नहीं होगा।
 - (ख) विदेशी संस्करण की उन पुस्तकों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी जिनके प्राधिकृत भारतीय पुनः मुद्रण के संस्करण उपलब्ध है।
 - (ग) शिक्षा मंत्रालय नई दिल्ली की पूर्ण लिखित विशेष अनुमति के बिना भारतीय प्रकाशकों के विदेशी पुनः मुद्रणों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - (घ) भारतीय समुद्र तट के केवल ऐसे नौ परिवहन संबंधी जहाजों के आयात की अनुमति दी जाएगी जिनकी संख्या हाईड्रोग्राफर, भारत सरकार, देहरादून द्वारा विशेष रूप से निकासी कर दी गई हो।
 - (ङ) अश्लील सामग्री वाली या यौन चित्रा करने वाली या हिंसा भड़काने वाली पुस्तकों, पत्रिकाओं और पहले ही रिकार्ड किए गए कैसेट के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी।
 - (च) विदेश में प्रकाशित पुस्तकों के अप्राधिकृत पुनः प्रकाशनों के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। सीमा शुल्क के माध्यम से, निकासी के समय, आयातक यह दर्शाते हुए एक घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि आयातित पुस्तकों में वे पुस्तकें शामिल नहीं हैं, जो आयात-निर्यात नीति 1985—88 में अनुमेष्य नहीं है।
 - (छ) रिकार्ड/पहले से ही रिकार्ड किए हुए सेट जो पूर्ण रूप से शैक्षिक प्रकृति की पुस्तक के अभिन्न भाग हों, संभरकों ने प्रमाणित कर दिया हो कि रिकार्ड/पहले से रिकार्ड किए हुए कैसेट पुस्तक के अभिन्न भाग हैं और संबंधित बीजक रिकार्ड/पहले से रिकार्ड किए गए कैसेट का ब्यौरा दर्शाता हो।
- (5) औषध मदों के मामले में, जहां कहीं आवश्यक हो, अक्षय एवं श्रृंगार प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940 के अधीन वैध लाइसेंस रखने की आवश्यकता पूर्ण कर देनी चाहिए।
 - (6) खजूरों, होम्योपैथिक औषधियों, कैंसर निरोधक भेषजों, जीवन रक्षक भेषजों और अपरिष्कृत भेषजों के मामले में परम्परागत छोटे पैकिंग में भी आयात अनुमेष्य होगा।
 - (7) इस प्रकार साक्ष्य किया गया माल दक्षिणी अफ्रीका/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका संघ में उत्पादित या विनिर्मित न हो।
 - (8) ऊर्जा बचत / संरक्षण उपकरणों जिसमें ऊर्जा के नवीकरण और परिवर्तक पर काम करने / प्रयोग करने के सिस्टम और डिवाइस भी शामिल हैं। जहां आयातक को नान-कन्वेनशन एनर्जी स्रोत विभाग, ब्लाक नं. 14 लोधी रोड, सी जी ओ कम्प्लेक्स नई दिल्ली-3 को सीमा-शुल्क के भान की रिकार्ड की 15 दिनों के भीतर आयातित उपकरण से संबंधित निम्न-

लिखित सूचना भेजेगा—

- (1) आयातित उपकरण का विवरण
- (2) उसका लागत बीमा भाड़ा मूल्य
- (3) आयातित उपकरण पर चुकाई गई सीमा-शुल्क कर की वनराशि
- (4) वह देश जिससे आयात किया गया।
- (9) ऐसा माल भारत को परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या उससे पहले पोत पर लादा गया हो।
- (10) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची 5 में शर्त सं. 2 के भी अधीन होगा।
- (11) यदि किसी माल के आयात के समय लागू उसके आयात को प्रभावी करने वाला कोई निषेध या विनियम होंगे तो उस पर इस लाइसेंस का कोई प्रभाव नहीं होगा।
- (12) यह लाइसेंस ऐसे किसी भी आभार या ऐसी किसी भी शर्त का अनुपालन करने से किसी भी समय उन्मुक्त, रियायत या छील प्रदान नहीं करता है जिस आभार या शर्त के लिए वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या आयातक अन्य कानूनों या विनियमों के अधीन हो। आयातकों को उनसे लागू अन्य सभी कानूनों की शर्तों का पालन करना चाहिए।

टिप्पणी:— इस आदेश के प्रयोजनार्थ “लाइसेंसिंग वर्ष” और “अगला लाइसेंसिंग वर्ष” जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985—88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 15/86 के लिए अनुसूची

दिनांक

1 निम्नलिखित अध्यापन सहायक

- (1) शैक्षिक प्रकृति की रेडियो एवं प्रिंटर के सहित या बिना माईक्रोफिल्म और माईक्रो-फिजिज; और
 - (2) ओडियो कम्पट के साथ या बिना शैक्षिक प्रकृति के फिल्म स्ट्रिप्स/मलाईड्स शैक्षिक प्रकृति के आडियो कैस्सेट/वीडियो टेप और शैक्षिक प्रकृति की वीडियो डिस्कें।
- 2 ग्रेटा टाइपोराइटर सहित अन्य व्यक्तियों के लिए अपेक्षित औजार और उपकरण।
- 3 आयात-निर्यात नीति, 1985-88 खण्ड (1) के परिशिष्ट 6 की सूची 7 में आने वाले शैक्षिक, वैज्ञानिक और तकनीकी पुस्तकों और पत्रिकाएं, मासपत्र पत्रिकाएं और समाचार पत्र।

4 आयात और निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 2 में आने वाले जीवनदायक उपकरण और उनके फानल एजें।

5 परिवार कल्याण उपकरण—यह उपकरण अर्थात् निम्नलिखित—

- (1) (क) लप्रोस्कोप.
- (ख) कैंड स्कोप.
- (ग) हाईस्ट्रो—स्कोप;

- (घ) बैक्युम संकथन एपरेटस;
- (ङ) उनके उप-साधित और फालतू पुर्जे भी, और
- (2) रबड़ कंट्रोस्पेटिव यंत्र (केबल डाय फागाम्स),
- (3) इन्टरोटेरिन कंट्रा-सेपटिव यंत्र (लिपोल लूप और सीयूटी 200 से भिन्न रंगीन कंडास्स, द्रायाकराम, जैसी और फोम्स टिकिया, भारत के औषध नियंत्रक, नई दिल्ली द्वारा यथाश्रमुमोदित।
- (4) फ्लोपिक रिस (सिलास्टिक बण्डस)
- 6 आयात-निर्गत नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 6 की सूची 3 में आने वाले परिष्कृत भेषज फ्री-परेशन, जीवनदायक और कैंसर रोगी भेषज।
7. परिष्कृत रूप में होम्योपैथिक औषधियां या मूल रूप में और या किसी भी पोटेनसी के होम्योपैथिक भेषज (सिंगल) "दुग्ध चीनी" सहित थोक में और बायोकेमिक औषधियां।
- 8 आयात-निर्गत नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 क. सूची 4 के अनुसार आयुर्वेदिक और यूनानी औषधियां बनाने के लिए अपेक्षित अपरिष्कृत भेषज जेड. मोतियों और मूर्तों के आयात की अनुमति केवल चूर्ण रूप में और केवल गैर आभूषण-प्रिस्म के लिए दी जाएगी।
9. दाल
10. निम्नलिखित मसाले:—
- (1) दाल-चीनी/तैजपात
- (2) लौंथ
11. खजूर (गोले या सूखे) भारतीय पोत लदानों द्वारा आयातित)
12. सेंधा नमक
13. (i) निम्नलिखित एक्स-रे फिल्मों (चिकित्सा)
- (1) साईन एन्मिग्रॉफिक फिल्म
- (2) कार्पिंग फिल्मों (एक्स-रे रेडियोग्राफ कार्पिंग के लिए)
- (3) दन्त एक्स-रे फिल्मों
- (4) बिना स्क्रीन के उपयोग की जाने वाली फिल्मों
- (5) लोन्डोजू मेमोग्राफिक फिल्मों
- (6) माल मिनेएनपरफिल्म
- (7) डुप्लीकेटिंग फिल्मों के लिए 35 मि.मी. नेगेटिव और रिवर्सल किस्म की फिल्मों
- (8) मरसनल अनुश्रवण फिल्मों
- (9) बेन्जर्स के उपयोग के लिए विशेष किस्म की एक्स-रे फिल्मों
- (10) फीट स्केनर्स के लिए एक्स-रे फिल्म
- (2) एरो-ग्राफिक फिल्मों
- (3) फोटो-टाईप सेटिंग और सी/स्टैबिलाइजेशन पेपर
- (4) मुद्रण उद्योग के लिए थर्मोग्राफिक पोलिमिड रोजिंग और एम्बोसिंग पाऊडर
- (5) माईक्रो-फाईल फिल्मों
- (6) इन्फ्रा-रेड और अल्ट्रा वायलट फिल्मों
- (7) गुर्दे शल्य चिकित्सा फिल्मों
14. हथ घड़ी/दीवार घड़ी और टाईम पीस के लिए स्नेह तेल
15. फिडिंग ब्रुक्स
- 16 (1) शैक्षणिक और उपदेश संबंधी छोटी फिल्मों (वीडियो फिल्मों सहित) यदि वे सेन्ट्रल फिल्म बोर्ड द्वारा प्रथमः कथात्मक शैक्षिक और अकथात्मक सत्यापित की गई हों।
- (2) लम्बाई में 800 मीटर या इससे कम 16 एम एम गेज में, कथात्मक शैक्षिक और अनुदेशात्मक वे फिल्मों जो 'केन्द्रीय बोर्ड' द्वारा "प्रवर्तन, शैक्षिक" फिल्मों के रूप में सत्यापित की गई हों।
17. फोटो ग्राफिक फिल्मों (रंगीने)
18. फोटो-ग्राफिक कालर पेपर
19. 120 साईज रोल्स से निम्न फोटोग्राफिक फिल्में (सादा)
20. भाषा सीखने के लिए रिकार्ड
21. रुद्राल मनके
22. निम्नलिखित निम्नमादोग्राफिक फिल्मों, अनभिधितः—
- (1) 3 एम एम (रंगीन) और
- (2) 8 एम एम. (सादी नेगेटिव)
23. 1985-88 की आयात-निर्गत नीति (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 में सूची स. 6 के अनुसार दन्तय सामग्री।
24. आयात-निर्गत नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-6 की सूची 9 के अनुसार आकथालमिक मदें।
25. ओजोन जनरेटिंग अपरेटस
26. स्मोक मीटर्स-हूटिंग और बोल्ब टाइप आटोमबाईल इग्जास्ट के लिए।
27. यानीय इग्जास्ट से आने वाले सी.ओ. एच सी. एन ओ एक्स, सी ओ₂ (इन पोलटेस्ट के एक या अधिक) के मापन के लिए आटोमबाईल इग्जास्ट के लिए इग्जोस्ट गैस स्ट्रिमिडर।
28. निम्नलिखित उर्जा के नवीकरणीय और परिवर्तक स्रोतों पर काम करने/प्रयुक्त करने के सिस्टम और डिवाइसिस सहित उर्जा बजट/सरक्षण उपस्करः—
- (1) वायु चालक जेनेरेटर
- (2) सौर उर्जा उपस्कर
- (3) आटोमेटिक इक्वैलैट्रानिक ट्रैकिंग टाइप के लिए पैराबोलिक फोकस्टिंग सिस्टम जिसमें फोटों इक्वैलैट्रानिक कैंसर भी शामिल हैं।
- (4) पोटैबल इग्जास्ट गैस और कम्पस्टन एनालाइजर।
- (5) स्टीम ट्रेप लीक डिटेक्टर
- (6) अल्ट्राविक लीक डिटेक्टर
- (7) सोलर हीट कंट्रोल फिल्म
29. आयात-निर्गत नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट 2,3 भाग क, 8 और 10 में दर्शाए गए से भिन्न निम्नलिखित के फालतू पुर्जे:—
- (1) मुद्रण मशीनरी
- (2) मशीनी ओजार, धातु लकड़ी, कांच और प्लास्टिक को काटने, रूप देने, घिसने और पालिश करने के लिए, किसी भी मानक या अनुबंधी उपस्कर सहित, और
- (3) निम्नलिखित सहित सिनेमादोग्राफिक उपस्करः—
- (1) पिक्चर और साउन्ड प्रिंटिंग-लैम्पस
- (2) प्रोजेक्शन लैम्पस-जेनोन या अंगस्टन।

(3) सिनेमास्कोप लेंसों सहित लेस/त्रूम लेस

(4) प्रोजेक्शन वाल्यूम इंडडीकेटर्स।

(4) ट्रालर्स

30. 10 एच पी. तर्क के आउट बोर्ड मोटर्स

31. आयात एवं निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट

2, 3, 5 और परिशिष्ट 6 की किसी भी सूची में उल्लिखित
से सिद्ध प्रयोगशाला और रीजेंट केमिकल्स।

32. गिम्बरीलिक एसिड।

ORDER NO. 49/85-88

Open General Licence No. 15/86

S.O. 165(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country except the Union of South Africa/South West Africa, goods of the description specified in the Schedule annexed to this order, subject to the following conditions:—

- (1) Except in the case of "Teaching Aids" covered by Serial No. 1, all other items covered by the Schedule annexed to this Order, may be imported by and person, for stock and sale purpose;
- (2) In the case of "Teaching Aids", import will be allowed only by recognised educational, scientific technical and research institutions, libraries of such institutions, Central or State Government Departments, industrial units engaged in research and Development work, registered medical institutions, hospitals, consultants, recognised chambers of Commerce, productivity councils, management Associations and professional bodies, for their own use;
- (3) In the case of pulses, all eligible importers shall be required to register their contracts with the National Agricultural Cooperative Marketing Federation of India (NAFED). Import shall be made only after the connected contracts have been stamped by NAFED as an evidence of such registration. For this purpose, two copies of the contract should be lodged with the NAFED; they will return one copy to the importer, duly stamped, on each page for production to the customs at the time of clearance of goods.
- (4) In the case of import of educational, scientific and technical books, the following conditions shall apply:—
 - (a) Import will not be permitted by any one importer (including his branches) of more than 1000 copies of a single title during the licensing period without the prior written clearance of the Ministry of Education, New Delhi. This restriction will not, however, apply to the English language books, Society titles and books under the Joint Indo-Soviet Text Book Programme;
 - (b) Import of foreign edition of books for which editions of authorised Indian reprints are available will not be allowed;
 - (c) Import of foreign reprints of Indian publication will not be allowed without a specific prior written permission of the Ministry of Education, New Delhi.
 - (d) Import of only such navigational charts of Indian coastlines will be allowed as are specifically cleared by the Chief Hydrographer to the Government of India, Dehradun;
 - (e) Books, magazines and journals and pre-recorded cassettes containing pornographic materials or depicting sex, violence etc. will not be allowed to be imported.

(f) Import of unauthorised reprints or books published abroad will not be allowed. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish declaration to the effect that the books imported do not include those which are not allowed under Import-Export Policy, 1985-88.

(g) In case of records/pre-recorded cassettes forming an integral part of the book and of purely educational nature the supplier has certified that records/pre-recorded cassettes form an integral part of the book and the connected in-void indicates the details of records/pre-recorded cassettes.

(5) In the case of drug items, the requirements regarding possession of a valid licence under the Drug and Cosmetics Act, 1940, wherever necessary, should be complied with;

(6) In the case of dates, homoeopathic medicines, anti-cancer drugs, life saving drugs and crude drugs, import will also be allowed in traditional small packing;

(7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

(8) In the case of energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternating Sources of Energy, the importer shall furnish to the Department of Non-Conventional Energy Sources, Block No. 14, Lodi Road C.G.O. Complex, New Delhi-110003, the following information pertaining to the equipment imported within 15 days of the clearance of goods from the Customs.

(i) Description of the equipment imported;

(ii) Its c.i.f. values;

(iii) Amount of customs duty paid on the imported equipment;

(iv) Country from which imported.

(9) Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever;

(10) This licence shall also be subject to condition No. 1 in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

(11) Nothing in the licence shall affect the application to any goods of any prohibition or regulation affecting the import thereof, in force, at the time when such goods are imported.

(12) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

SCHEDULE TO OPEN GENERAL LICENCE NO. 15/86

Dated, the 1st April, 1986

1 Teaching Aids the following :

(1) Microfilms and Microfiches of educational nature with or without readers-cum-printers; and

- (ii) Film strips/slides of, educational nature with or without audio cassettes, audio cassettes/video tapes of educational nature and video discs of educational nature.
2. Instruments and equipment required by blind, including Braille type writers.
3. Educational, scientific, and technical books and journals news magazines and newspapers appearing in list 7 of Appendix 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I).
4. Life-saving Equipment appearing in list No. 2 of Appendix-6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) and their spares.
5. Family welfare equipment/instruments, appliances, namely, the following :—
- (i) (a) Laproscope;
 - (b) Culdscope;
 - (c) Hysteroscope;
 - (d) Vacuum Suction apparatus; as well as their accessories and spares;
 - (ii) Rubber contraceptives (diaphragms only)
 - (iii) Intrauterine Contraceptive devices (other than the Lippes Loop and Cu-T200), coloured condoms, diaphragms, jelly and foam tablets, as approved by Drugs Controller of India, New Delhi and
 - (iv) Falopic rings (Silastic bands).
6. Finished drug preparations, life saving and anti-cancer drugs appearing in List No. 3 in Appendix 6 of the Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I).
7. Homoeopathic medicines in finished form or Homeopathic drugs (single) in basic form and/or of any potency, including Sugar or Milk in bulk and biochemic medicines.
8. Crude drugs required for making Ayurvedic and Unani medicines, as appearing in List No. 4 in Appendix 6 of Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I). (Import of Jade, pearls, and corals will be allowed only in powder form and of non-jewellery quality only).
9. Pulses.
10. Species, the following :
- (i) Cinnamon/Cassia,
 - (ii) Cloves.
11. Dates (Wet or dry) (imported by Indian sailing Vessels).
12. Rock Salt.
13. (i) X-Ray film (medical), the following :
- (1) Cine angiographic films.
 - (2) Copying films (for copying X-ray radiograph).
 - (3) Dental X-ray film.
 - (4) Films for use without screens.
 - (5) Lo-dose mammographic films.
 - (6) Mass miniature film.
 - (7) 35mm negative and reversal types for duplicating films.
 - (8) Personal monitoring films.
 - (9) Special types of X-ray films used for changers.
 - (10) X-ray films for cat scanners.
 - (ii) Aerographic films.
 - (iii) Photo type setting RC/Stabilisation paper.
 - (iv) Thermo graphic polyimid raising and embossing powder for printing industry.
 - (v) Microfile films.
 - (vi) Infra-red and ultra-violet films.
 - (vii) Kidney surgery films.
14. Lubricating oils for watches, clocks, time-pieces and house service meters.
15. Fishing hooks.
16. (i) Non-fictional education and instructional films (including video films), certified by the Central Board of Film Certification to be "predominantly educational and non-fictional".
- (ii) Fictional educational and instructional films in 16mm gauge of 800 meters or less in length, certified by the Central Board of Film Certification to be "predominantly educational".
17. Photographic films (colour).
18. Photographic colour papers.
19. Photographic films (black and white) other than 120 and 620 size rolls.
20. Records for learning languages.
21. Rudrakshabeads.
22. Cinematographic films, not exposed, the following :—
- (i) 8mm(colour) and
 - (ii) 8mm (black and white negative)
23. Dental items as per list No. 6 in Appendix 6 of Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I).
24. Items of ophthalmic use as per list 9 in Appendix 6 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) .
25. Ozone generating apparatus.
26. Smoke meters—Hartridge and Bosch Types—for automobile exhaust.
27. Exhaust Gas Analysers for measurement of Co, HC, NOX, CO2 (one or more of these pollutants) coming from vehicular exhaust—for automobile exhaust.
28. Energy saving/conservation equipment including systems and devices working on/used for Renewable and Alternative Sources of Energy, the following :—
- (i) Wind driven generators.
 - (ii) Solar Energy equipment.
 - (iii) Parabolic focussing systems of the automatic electronic tracking type, including photoelectric sensors.
 - (iv) Portable exhaust gas and combustion analysers.
 - (v) Steam trap leak detector.
 - (vi) Ultrasonic leak detector.
 - (vii) Solar heat control films.
29. Spares, except those included in the Appendices 2, 3 Part 'A' 8 and 10 of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) of :
- (1) Printing machinery.
 - (2) Machine tools, for cutting, forming, abrading and polishing metals, wood, glass and plastics including any standard or ancillary equipment, and
 - (3) Cinematographic equipment including the following :—
 - (i) Picture and sound printing lamps.
 - (ii) Projection lamps—Xenon or tungsten.
 - (iii) Lenses/zoom lenses including cinematoscope lenses.
 - (iv) Projection volume indicators.
 - (4) Trawlers.
30. Out board Motors upto 10 H.P.
31. Laboratory and Reagent Chemicals other than those appearing in Appendices 2, 3, 5 and in any of the Lists of Appendix 6 of the Import and Export Policy (Vol. I) for 1985-88.
32. Gibberellic Acid.

टिप्पणी— इन भाषाओं के प्रयोजनार्थ 'ल' इमेससिय वध' और 'अलग ल' इमेसिया वध' का जहाँ भी सदर्भ आता है उसका बदली प्रयोजन 'ल' व 'अ' का आयात एवं नियमित नीति (खण्ड-I) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 50/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 16/86

S.O. 166(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government gives general permission for import of (a) poultry vaccines (all types) by poultry farms/hatcheries approved by the Department of Agriculture, Government of India, New Delhi, (b) Medical Gas Cylinders of 10.2 litre water capacity and below, (c) CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers, (d) Broken Electric Motors, (e) Magnetic Electromagnetic Water Conditioning System, (f) Grape Guard Paper, (g) Photographic chemicals—developers, fixers, intensifier reducers, toners and cleaning agents and (h) 3/4 inch U-matic and 1 inch video cassette tapes, from any country except the Union of South Africa/South West Africa, subject to the following conditions :—

(1) In the case of import of poultry vaccines :—

- (i) The importer shall, at the time of clearance of goods from the customs, furnish a specific recommendation from the Animal Husbandary Commissioner to the Government of India, Department of Agriculture, New Delhi regarding the essentially of the material (description/quantity/value) to the party concerned ;
- (ii) The importer concerned shall, within 15 days from the date of the clearance of the consignment from customs, intimate to the Department of Agriculture, New Delhi, particulars of the items imported, their quantity, and cif value.
- (iii) The imported material shall be subject to the "Actual User" condition at the hands of the poultry farm/hatchery concerned.

2. In the case of medical gas cylinders, import shall be allowed to Actual Users (Industrial) having Industrial licence/registration for manufacture of medical gas (oxygen) and nitrous oxide and having valid licence issued under the Drugs and Cosmetics Act, 1940. It shall also be subject to the following conditions :—

- (i) Imported medical gas cylinders shall be used only for medical purposes for compressing and supplying medical gas.
- (ii) Cylinders and valves fitted thereto to be imported must be of a type as approved by the Chief Controller of Explosives and accepted for use under the Gas Cylinder Rules, 1981.
- (iii) Cylinders imported should not be used for any gas service other than the medical gas for a period of 10 years from the date of importation.
- (iv) The importer shall obtain prior sanction from the Chief Controller of Explosives as required under the Gas Cylinder Rules, 1981.

3. In the case of CO₂ Gas Cylinders upto 15 litres water capacity for fire extinguishers, the conditions referred to in sub para 2(ii) to (iv) above shall apply.

4. In the case of Broken Electric Motors, the eligible importer will be Metal Scrap Trade Corporation Ltd., the imported material shall be salvaged by M.S.T.C. and distributed to the eligible Actual Users.

5. In the case of Magnetic Electromagnetic Water Conditioning System, the eligible importers shall be Local Bodies (Municipal Corporations etc.) Government Departments and other public sector undertakings.

6. In the case of Grape Guard paper, the eligible importers will be agriculture development corporations of the Central or State Government/Union Territory Cooperative societies of farmers, and Associations of farmers recognised by Government. The imported material shall be for distribution to Grape growers only and the importer shall main-

tain proper account of distribution of the imported goods and produce such account to the licensing authority and other concerned Government authorities.

7. In the case of photographic chemicals referred to in (g) above, the eligible importers will be (i) Actual Users registered under the local law applicable to shops and establishments and (ii) Photo Studios, film processing laboratories and testing laboratories certified as such by the State Director of Industries.

8. In the case of 3/4 inch-U-matic and 1 inch video cassettes/tapes referred to in (h) above, the eligible importers will be unit registered with the Ministry of Information and Broadcasting for video software generation.

9. At the time of clearance of goods, the importer shall furnish to the Customs authority a declaration giving particulars of recognition/registration with the authority concerned, namely, number and date of recognition/registration certificate and affirming that such recognition/registration has not been cancelled or withdrawn or otherwise made inoperative. In cases, where separate recognition/registration number has not been allotted by the authority concerned, the importer shall produce other evidence to the satisfaction of the customs authority.

10. The importer shall maintain proper account of consumption and utilisation of the goods imported under this licence in the form and manner laid down and produce such account to the licensing authority or any other Government authority within such time as may be specified by it.

11. The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.

12. Such goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year, without any grace period, whatsoever.

13. This licence shall also be subject to the condition No. 1 in Schedule V to the Imports (Control) Order, 1955.

14. Nothing in this licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.

15. The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, reference to "the licensing year" and "the following licensing year" wherever appear in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985—88.

आदेश सं. 51/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 17/86

का. आ. 167(अ).—आयात तथा निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा निम्नलिखित शर्तों के अधीन दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से पूंजीगत माल का भारत में आयात करने की सामान्य अनुमति देती है :—

(1) पात्र आयातक निम्नलिखित होंगे :—

- (1) सर्वश्री कोल इंडिया लि.
- (2) सर्वश्री नेजेली लिमिटेड कार्पोरेशन लि.
- (3) सर्वश्री भारत कोकिंग कोल लि.
- (4) सर्वश्री सेन्दूल कोल फील्ड्स लि.

- (5) सर्वश्री इस्टर्न कोल फील्ड्स लि.
 (6) सर्वश्री वेस्टर्न कोल फील्ड्स लि.
 (7) सर्वश्री मेन्टल माइन प्लानिंग एण्ड डिजाइन इंस्टीट्यूट लि.
 (8) सर्वश्री सिंगरेणी कोलरीज कंपनी लि.
- (2) आयात इस त्रयोजन के लिए सरकार द्वारा रिहा की गई विदेशी मुद्रा के मद्दे किया जाएगा।
- (3) आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-I भाग-क में उल्लिखित पूंजीगत माल के आयात की अनुमति नहीं दी जाएगी। पूंजीगत माल की अन्य मदों के संबंध में (परिशिष्ट I भाग ख में दर्शाई गई मदों को छोड़कर), आयात महानिदेशक, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से प्राप्त की जाने वाली देशी दृष्टिकोण से निकासी के अधीन होगा। परिशिष्ट I भाग ख में दर्शाई गई मदों के लिए देशी दृष्टिकोण से निकासी की आवश्यकता नहीं होगी।
- (4) इस प्रकार आयातित माल नव निर्मित हो, यदि वह पुराना या मरम्मत शूदा है तो आयात केवल तभी अनुमति किया जाएगा यदि मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है और उसकी बाकी की आयु पांच वर्षों से कम नहीं है, और आयातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क अधिकारी को जिस देश से माल आयात किया जाता है उस देश के स्वतंत्र व्यवसायी सनदी अभियन्ता/अन्य इसके तुल्य संस्था से यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा :—
- (क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम
 (ख) विनिर्माण का वर्ष
 (ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी सम्भावित अवशेष आयु;
 (घ) यदि नया खरीदा जाए तो उसके तुल्य पूंजीगत माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य;
 (ङ) सुधार/मरम्मत की किस्म यदि की गई हो और वह तारीख(खें) जब मरम्मत की गई थी;
 (च) सम्भारक द्वारा मांगी गई कीमत के सम्बन्ध में राय और एसी राय के लिए आधार।
- (5) आयात (वास्तविक उपभोक्ता) शर्त के अधीन होगा।
- (6) यह लाइसेंस आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 की अनुसूची-5 की शर्त-1 के भी अधीन होगा।
- (7) इस तरह आयात किया गया माल दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ में तैयार अथवा विनिर्मित न किया गया हो।
- (8) भारत को ऐसे माल का लदान किसी भी रियायती अवधि के बिना लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व, या लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी की अन्तिम तिथि को या इससे पूर्व विदेशी मुद्रा के व्यापारी (बैंक) के साथ पंजीकृत और की गई पक्की संविदा के मद्दे अगले वर्ष की 31 मार्च, को या इससे पूर्व भारत को कर दिया गया हो।
- (9) यदि माल के आयात के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा, तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।
- (10) यह लाइसेंस किसी भी वास्तविक उपभोक्ता (औद्योगिक) जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो, तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन

करने से कोई उत्पत्ति, छूट या वोल प्रदान नहीं करता है। आयातक को इसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबन्धों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—

इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगला लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

ORDER NO. 51/85-88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 17/86

S.O. 167(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports and Exports (Control), Act, 1947 (18 of 1947), the Central Government hereby gives general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, subject to the following conditions:—

- (1) The eligible importers will be :—
 (i) M/s. Coal India Limited.
 (ii) M/s. Neyveli Lignite Corporation Limited.
 (iii) M/s. Bharat Coking Coal Limited.
 (iv) M/s. Central Coalfields Limited.
 (v) M/s. Eastern Coalfields Limited.
 (vi) M/s. Western Coalfields Limited.
 (vii) M/s. Central Mine Planning and Design Institute Limited.
 (viii) M/s. Singareni Coaleries Company Limited.
- (2) Import shall be made only against foreign exchange released by the Government for the purposes.
- (3) Capital Goods mentioned in Appendix 1 Part-A of Import and Export Policy, 1985-88 (Volume I) will not be allowed to be imported. In respect of other items of Capital Goods (excluding those appearing in Appendix 1 Part-B) import shall be subject to indigenous clearance to be obtained from DGTD, New Delhi. No indigenous clearance will be necessary for items appearing in Appendix I Part-B.
- (4) The goods so imported shall be of new manufacture: if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years. and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made, indicating :—
 (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
 (b) Year of manufacture;
 (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
 (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new;
 (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which those were carried out;
 (f) Opinion regarding the prices asked for by the suppliers and the basis for such opinion.
- (5) The import shall be subject to Actual User condition.
- (6) The licence shall also be subject to the condition No. (1) in Schedule V of the Imports (Control) Order, 1955.

- (7) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (8) Such Goods are shipped on through consignment to India on or before 31st March of the licensing year or on or before 31st March of the following licensing year against firm contracts entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before the last date of February of the licensing year without any grace period whatsoever.
- (9) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (10) The Licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provisions of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", wherever appears in this order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

घादेश सं. 52/85-88

खुला सामान्य लाइसेंस सं. 18/86

का. आ. 168(अ).—आयात-निर्यात (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 18) के खण्ड-3 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एतद्वारा आयात-निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के अन्तर्गत भारत में न रहने वाले भारतीयों को उपलब्ध सुविधाओं के अधीन वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) द्वारा पूंजीगत माल, कच्ची सामग्री, संघटकों, उपयोज्यों और फालतू पुर्जों का दक्षिण अफ्रीका/दक्षिण पश्चिम अफ्रीका संघ को छोड़कर किसी भी देश से आयात करने की निम्नलिखित शर्तों के अधीन सामान्य अनुमति देती है :—

- (1) पात्र आयातक, भारतीय अनिवार्य होंगे (जिन्हें वह आदिवासी भारतीय शामिल हैं, जिसने विदेशी दृष्टिकोण प्राप्त कर ली हो और वह व्यक्ति विदेश में रहने वाला मूल रूप से भारतीय हो)।
- (2) ऐसा पात्र व्यक्ति स्थाई रूप से भारत में उद्योग स्थापित करने के लिए अस्थाई रूप से भारत में, निवास करने के लिए वापस आया और विद्यमान उद्योग के विस्तार, विविधीकरण या आधुनिकीकरण के लिए अथवा सेवा उद्योग स्थापित करने के लिए पूंजी लगाने सहित इस उद्योग में पूंजी लगाएगा।
- (3) सीमाशुल्क के माध्यम से माल की निकासी के समय उपर्युक्त (1) और (2) के अन्तर्गत अपनी पात्रता दिखाने के लिए आयातक संश्लेषजनक साक्ष्य प्रस्तुत करेगा;
- (4) इस लाइसेंस के अधीन पात्र व्यक्ति मशीनरी और संबंधित कच्चे माल, संघटकों, उपयोज्यों और फालतू पुर्जों का आयात विधिवत शर्तों के अधीन भारत में उसमें में उपयोग के लिए विदेश में कमाई गई अपनी विदेशी मुद्रा और ऋणों से खरीद कर वास्तविक उपयोगकर्ता शर्त के अधीन कर सका है, भारत से घन परेषण करके नहीं। आयातित मशीनरी और अन्य माल का उपयोग आयातक द्वारा भारत में स्थापित किए जा रहे उस उद्योग में किया जाएगा जिसमें आयातक माल नीति के

अनुसार धन लगा रहा हो। सीमाशुल्क से निकासी के समय आयातक यह घोषणा पत्र प्रस्तुत करेगा कि :—

- (क) आयातित मशीनरी और अन्य माल आयातक द्वारा विदेश में कमाई से/ऋणों से खरीदा गया है और उसमें भारत से कोई भी घन परेषण शामिल नहीं है; और
 - (ख) सीमा शुल्क के माध्यम से निकासी की तिथि से तीन महीने के भीतर आयातक विषयाधीन मशीनरी और अन्य माल के आयात के विषय में उस राज्य के उद्योग निदेशालय को सूचित करेगा जिसमें मशीनरी का उपयोग किया जाएगा। परन्तु, इलेक्ट्रॉनिक मर्चों के मामले में सूचना इलेक्ट्रॉनिक विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली को भेजी जाएगी जिसकी एक प्रति संबंधित उद्योग निदेशक को भेजी जाएगी।
- (5) जनरेटिंग सट्रेज, कंप्यूटर सिस्टम, कार्यालय उपस्कर, आदि-रूपों और आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-1 भाग-क में प्रतिबंधित पूंजीगत माल और आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-1 भाग-ख में जो शामिल हैं, उनसे भिन्न पुराने (प्रयुक्त) पूंजीगत माल के आयात की अनुमति इस लाइसेंस के अधीन नहीं दी जाएगी।
- (6.1) निम्नलिखित मर्चों में से औद्योगिक लाइसेंस विनियमों के अधीन एक या अधिक का निर्माण करने वाले इलेक्ट्रॉनिकी उद्योगों के लिए पूंजीगत माल के आयात के लिए कोई भी उच्च सीमा नहीं होगी :—
- (1) इलेक्ट्रॉनिकी संघटक (एल एस आई, वी एल एस आई से भिन्न)
 - (2) इलेक्ट्रॉनिकी-यंत्र;
 - (3) टेप रिकार्डर्स;
 - (4) टू-इन-वन्त;
 - (5) होम-कि उपस्कर;
 - (6) इलेक्ट्रॉनिकी अध्यापन सहाय;
 - (7) औद्योगिक और संसाधन नियंत्रण सिस्टम;
 - (8) प्रमुख सब सिस्टम, राडास, नौ-परिवहन सहाय के संचार उपस्कर; और
 - (9) इलेक्ट्रॉनिकी विकिस्सा उपस्कर।
- (6.2) राडास, नौ-परिवहन सहाय और संचार उपस्कर का निर्माण करने वाली यूनिटों के संबंध में निर्माण कार्य आरंभ करने से पहले इलेक्ट्रॉनिकी विभाग, लोकनायक भवन, नई दिल्ली से विशेष पूर्व अनुमोदन प्राप्त करना आवश्यक होगा;
- (6.3) इस प्रावधान के अन्तर्गत कंप्यूटरों के निर्माण की अनुमति नहीं दी जाएगी;
- (6.4) पात्र आयातक को उपर्युक्त शर्त सं. (6.1) में उल्लिखित मर्चों और उपस्करों के निर्माण के लिए अपेक्षित किसी भी पूंजीगत माल के आयात की अनुमति दी जाएगी। आयात के लिए देशी दृष्टिकोण से किसी प्रकार की निकासी की आवश्यकता नहीं होगी;
- (6.5) उपर्युक्त (6.1) में सूचीबद्ध उद्योगों के प्रस्तुत लाइसेंस के अन्तर्गत कच्ची सामग्री, संघटक उपयोज्यों और फालतू

पुर्जों के अयत का अनुमति भी औद्योगिक यूनिटों को केवल प्रथम 12 मम को आवश्यकताएं पूरी करने के लिए दी जाएगी। परिशिष्ट 2 और 5 में आई हुई मर्दों की अनुमति भी खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत नहीं दी जाएगी। अयत-निर्यात नीति 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-3 में प्रदर्शन 5 लख रुपए मूल्य से अधिक की मर्दों के मामले में इलेक्ट्रॉनिक विभाग नई दिल्ली से पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी और ऐसे निर्यात अयत के समय सीमाशुल्क प्राधिकार को प्रस्तुत की जाएगी।

- (7) उपर्युक्त उप-पैरा (6.1) में उल्लिखित उद्योगों से निम्न उद्योगों के मामले में अयतित मशीनरी का मूल्य 20 लाख रुपए (अथवा लघु) से अधिक नहीं होगा और जिस यूनिट में अयतित मशीनरी का उपयोग किया जाएगा उसमें संयंत्र और मशीनरी में हुई कुल पूंजी का मूल्य लघु पैमाने के उद्योगों के लिए निर्धारित उच्च सीमा से अधिक होगा।

- (8) इस लाइसेंस के उप-पैरा (7) के अन्तर्गत मशीनरी का आयात करने के लिए पात्र व्यक्ति भी अपनी प्रथम 12 महीनों की अवधि में पूर्ण करने के लिए कच्चे माल, संघटकों, उपभोग्यों और फानू पुर्जों का मूल्य में 5 लख रुपए (लघु-बीमा-भाड़ा) से अधिक नहीं, का आयात इस लाइसेंस के अधीन कर सकते हैं। परिशिष्ट-2 और 5 में आई हुई मर्दों के आयात की अनुमति इस खुले सामान्य लाइसेंस के अन्तर्गत नहीं दी जाएगी। आयात-निर्यात नीति, 1985-88 (खण्ड-1) के परिशिष्ट-3 में प्रदर्शित मर्दों के लिए महानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली या इलेक्ट्रॉनिक विभाग, नई दिल्ली जैसा भी मामला हो, उससे पूर्व निकासी प्राप्त करनी होगी और वह आयात के समय सीमाशुल्क प्राधिकारियों को प्रस्तुत करनी होगी। आयातित माल का उपयोग उसी यूनिट में किया जाएगा जिसके लिए लाइसेंस के अधीन मशीनरी का आयात किया गया है।

- (9) इस प्रकार आयातित माल नवनिर्मित होगा, यदि वह पुषाया मरम्मत शुदा है, तो आयात केवल तभी अनुमति किया जाएगा यदि मशीनरी 7 वर्ष से अधिक पुरानी नहीं है और उसकी बाका की आयु पांच वर्षों से कम नहीं है और आयातक माल की निकासी के समय सीमा शुल्क अधिकारी को जिस देश से माल आयात किया जाना है उस देश के स्वतंत्र व्यवसायी मन्दी अभिप्रेता/किसी अन्य इसके तुल्य संस्था से यह उल्लेख करते हुए एक प्रमाण पत्र प्रस्तुत करेगा :—

(क) संयंत्र और मशीनरी के विनिर्माता का नाम;

(ख) विनिर्माता का वर्ष;

(ग) संयंत्र और मशीनरी की वर्तमान स्थिति और उसकी संभावित अवशेष आयु;

(घ) यदि नया खरीदा जाए तो उसके तुल्य पूंजीगत माल का लागत बीमा भाड़ा मूल्य;

(ङ) सुधार/मरम्मत की किस्म, यदि की गई हो और वह तारीख (खै) जब मरम्मत की गई थी/थी;

(च) सम्भरक द्वारा मागी गई कीमत के संबंध में राय और ऐसी राय के लिए आधार;

- (10) न तो लगाई गई पूंजी और न ही लाभांशों को विदेश में प्रत्यावर्तित करने की अनुमति दी जाएगी।

- (11) आयात वास्तविक उपयोक्ता शर्त के अधीन होगा। पूंजीगत माल बेचने के लिए पांच साल की अवधि तक कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।

- (12) संबंधित औद्योगिक यूनिट को प्रस्तुत लाइसेंस के इर्धन पूंजीगत माल के प्रथम परेषण के आयात की तिथि से 12 महीनों की अवधि के भीतर इस संबंध में लागू नीति और क्रिया-विधियों के अनुसार महानिदेशालय, तकनीकी विकास, नई दिल्ली से या राज्य के उद्योग निदेशक या अन्य संबंध प्राधिकारियों से औद्योगिक लाइसेंस या पंजीकरण प्राप्त करना होगा;

- (13) पात्र आयातक, विदेशी मुद्रा विनियमों का अनुपालन करेगे और लागू नियमों के अधीन यथा अपेक्षित विदेश में शेष-विदेशी मुद्रा रखने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक की आवश्यक अनुमति प्राप्त करेगा।

- (14) इस प्रकार आयातित माल दक्षिणी अफ्रीका सघ/दक्षिणी पश्चिमी अफ्रीका में निमित न हो।

- (15) भारत को ऐसे माल का लदान, परेषण के माध्यम से किसी भी रियायती अवधि के बिना चाहे जो कुछ भी हो लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व या नीचे संकेतित तिथियों को कर दिया जाता हो :—

(क) उन कच्चे माल, संघटकों और उपभोग्य सामग्री के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 30 जून को या इससे पूर्व जिनके लिए जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अन्तिम तिथि को इससे पूर्व अपरिवर्तनीय साख-पत्र खोल दिए जाते हैं;

(ख) उन पूंजीगत माल और फालतू पुर्जों के मामले में अगले लाइसेंसिंग वर्ष की 31 मार्च को या इससे पूर्व जहां लाइसेंसिंग वर्ष की फरवरी मास की अन्तिम तिथि को इससे पूर्व एक पक्की मंविदा कर ली गई हो और उसे विदेशी मुद्रा का लेन-देन करने वाले बैंक के पास पंजीकृत कर दिया गया हो।

- (16) यदि इस प्रकार के माल की अनुमति के समय उसके आयात पर प्रभाव डालने वाला कोई निषेध या विनियम लागू होगा तो इस लाइसेंस का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा;

- (17) यह लाइसेंस किसी भी समय वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) या आयातक जब अन्य कानून या विनियमों की शर्तों के अधीन आता हो तो उसे उसके दायित्व या किसी आवश्यकता का अनुपालन करने से कोई उन्मुक्ति, छूट या ढील प्रदान नहीं करता है। आयातक को उसके लिए लागू अन्य सभी कानूनों के उपबंधों का अनुपालन करना चाहिए।

टिप्पणी :—इस आदेश के प्रयोजनार्थ "लाइसेंसिंग वर्ष" और "अगले लाइसेंसिंग वर्ष" जहां भी संदर्भ में आता है उसका वही अर्थ है जो 1985-88 की आयात एवं निर्यात नीति (खण्ड-1) में उल्लिखित है।

[मि. सं. आई. पी. सी./3/18/85]

राजीव लोचन मिश्र, मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात

ORDER NO. 52/85—88

OPEN GENERAL LICENCE NO. 18/86

S.O. 168(E).—In exercise of the powers conferred by section 3 of the Imports & Exports (Control) Act, 1947 (18 of 1947) the Central Government hereby gives "general permission to import into India from any country, except the Union of South Africa/South West Africa, Capital Goods, raw materials, components, consumables and spares by Actual Users (Industrial) under the facilities available to non-resident Indians in the Import and Export Policy for 1985-88 (Vol. I), subject to the following conditions :—

- (1) The eligible importers shall be non-resident Indians (which includes non-resident Indians who have

- acquired foreign nationality, and persons of Indian origin residing abroad.
- (2) Such eligible person shall return to India for permanent settlement, for setting up an industry in India, including investment for expansion, diversification or modernisation of and existing industry or setting up a service industry.
 - (3) At the time of clearance of goods through Customs, the importer shall produce satisfactory evidence to establish his eligibility under (1) and (2) above.
 - (4) Eligible persons can import machinery and connected raw materials, components, consumables and spares under this Licence, subject to 'Actual User' condition, purchased out of the importer's foreign exchange earnings and resources abroad, with no remittance from India, for use in an enterprise in India, subject to the conditions stipulated. The imported machinery and other materials shall be used in the industry being set up by the importer in India or for use in the industry in India in which the importer will be investing in accordance with the policy in force. At the time of clearance through Customs, the importer shall furnish a declaration that :—
 - (a) The imported machinery and other materials has been purchased out of importers earnings/resources abroad, and does not involve any remittance from India; and
 - (b) Within three months of the date of clearance from the Customs, the importer shall inform about the import of the machinery and other materials, in question, to the Director of Industries of the State in which the machinery shall be used. However, in the case of electronic items, the intimation should be sent to the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi, with a copy to the concerned Director of Industries.
 - (5) Import of generating sets, computer system, office equipment, prototypes and restricted Capital Goods in Appendix-1 Part-A of Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I) and second hand (used) Capital Goods except those covered by App. 1 Part-B of Import and Export Policy 1985-88 (Volume I) shall not be allowed under this Licence.
 - (6.1) There will be no upper limit for import of Capital Goods meant for electronic industries manufacturing one or more of the following subject to industrial licensing regulations :—
 - (i) Electronic components (other than LSI, VLSI);
 - (ii) Electronic instruments;
 - (iii) Tape recorders;
 - (iv) Two-in-Ones;
 - (v) Hi Fi equipment;
 - (vi) Electronic teaching aids;
 - (vii) Industrial and process control systems;
 - (viii) Major subsystems, radar, navigational aides and communication equipment; and
 - (ix) Electronic medical equipment.
 - (6.2) In respect of units manufacturing radars, navigational aides communication equipment, a specific prior approval of the Department of Electronics, Lok Nayak Bhavan, New Delhi shall be necessary before taking up manufacture;
 - (6.3) Manufacture of computers shall not be allowed under this provision;
 - (6.4) The eligible importer will be allowed to import any Capital Goods necessary for the manufacture of the items and equipment mentioned in condition No. (6.1) above. No clearance from indigenous angle would be required for import;
 - (6.5) For industries listed in (6.1) above, import of raw materials, components, consumables, and spares, will also be allowed under this licence, to meet only the first 12 months requirements of the industrial unit. Items appearing in Appendix 2 and 5 will not be allowed under O.G.L. Items appearing in Appendix 3 of Import-Export Policy 1985-88 (Volume I) shall require prior clearance of the Department Electronics, New Delhi, in case the value exceeds Rs. 5 lakhs and such clearance shall be produced to the customs authority at the time of import. Imported materials shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported.
 - (7) In the case of industries other than those mentioned in sub-para (6.1) above, the value of machinery imported shall not exceed Rs. 20 lakhs (landed cost) and the unit in which imported machinery shall be used will not have a total capital investment in plant and machinery of a value more than the upper limit fixed for small scale industries.
 - (8) Persons eligible to import machinery under sub-para (7) of this Licence, can also import raw materials, components, consumables and spares for meeting their first 12 months requirement under this licence, subject to a maximum of Rs. 5 lakhs (cif) in value. Items appearing in Appendices 2 and 5 will not be allowed under O.G.L. For items appearing in Appendix 3 of the Import and Export Policy, 1985-88 (Vol. I), prior clearance from DGTD, New Delhi, or the Deptt. of Electronics, New Delhi, as the case may be, shall be obtained and produced to customs authority at the time of import. Imported material shall be used in the same unit for which the machinery under this licence is imported.
 - (9) The Capital Goods imported shall be of new manufacture; if they are second-hand or reconditioned items, their import will be permitted only if the machinery is not more than seven years old and its remaining life is not less than five years, and the importer shall produce to the customs authority at the time of clearance, a certificate from a professional independent Chartered Engineer/any equivalent institute in the country from which import is made indicating :
 - (a) Name of manufacturer of the plant and machinery;
 - (b) Year of manufacture;
 - (c) Present condition of the plant and machinery and its expected residual life;
 - (d) The CIF value of equivalent Capital Goods, if purchased new;
 - (e) Nature of reconditioning/repairs done, if any, and the date(s) on which those were carried out; and
 - (f) Opinion regarding the price asked for by the suppliers and the basis for much opinion.
 - (10) Neither the capital investment nor dividends shall be allowed to be repatriated abroad.
 - (11) Import shall be subject to 'Actual User' condition. No permission for sale of Capital Goods shall be allowed for a period of five years;
 - (12) The industrial unit concerned will be required to obtain industrial licence or registration with the DGTD, New Delhi or State Director of Industries or

other authorities concerned, in accordance with the policy and the procedures in force in this regard within a period of 12 months from the date of import of first consignment of Capital Goods under this licence.

- (13) The eligible importers shall abide by the foreign exchange regulations and obtain necessary permission of the Reserve Bank of India to retain foreign currency balances abroad as required under the rules in force.
- (14) The goods so imported have not been produced or manufactured in the Union of South Africa/South West Africa.
- (15) Such goods are shipped on through consignment to India on before 31st March of the licensing year or on the dates mentioned below, without any grace period whatsoever:
 - (a) On or before 30th June of the following licensing year in the case of raw-materials components and consumables for which irrevocable letters of credit are opened and established on or before the last date of February of the licensing year.
 - (b) On or before 31st March of the following licensing year in the case of Capital Goods and spares

where a firm contract has been entered into and registered with a foreign exchange dealer (bank) on or before the last date of February of the licensing year.

- (16) Nothing in this Licence shall affect the application to any goods, of any other prohibition or regulation affecting the import thereof, in force at the time when such goods are imported.
- (17) The licence does not confer any immunity, exemption or relaxation at any time from an obligation or compliance with any requirement to which the Actual Users (Industrial) or the importer may be subject to under other laws or regulations. The importers should comply with the provision of all other laws applicable to them.

Note : For the purposes of this Order, references to "the licensing year", and "the following licensing year", where appears in this Order shall have the same meaning as mentioned in Import and Export Policy (Volume I) for 1985-88.

[File No. IPC/3/18/85]

R.L. MISRA, Chief Controller of
Imports & Exports